● वर्ष-3
● अंक-182
रायपुर, शनिवार
09 मार्च 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› दूसरों की सेहत और अपना कैरियर...

लोस चुनाव: कांग्रेस की सूची में 39 उम्मीदवारों के नामों

राहुल वायनाड से मिली टिकट

पहली लिस्ट में सामान्य वर्ग के 15 प्रत्याशियों को मौका

एससी, एसटी, ओबीसी के साथ अल्पसंख्यकों 24 नामों को जगह

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है, जिसमें 39 उम्मीदवारों के नामों को शामिल किया गया है। कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने प्रेस वार्ता के दौरान पहली लिस्ट को जारी की। पहली सूची में राहुल गांधी को वायनाड, छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल को राजनांदगांव, शशि थरूर को तिरुवनंतपुरम से टिकट दिया गया है। लोकसभा चुनाव के उम्मीदवारों की पहली सूची जारी करते हुए केसी वेणुगोपाल ने कहा कि पहली सूची में सामान्य वर्गों से 15 और एसटी, एससी और अल्पसंख्यक वर्ग से 24 नामों को जगह दी गई है। राहुल गांधी अभी कांग्रेस के सबसे बड़े चेहरो में से एक हैं। वह पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष की कमान संभाल चुके हैं। राहुल गांधी अभी केरल के वायनाड की सांसद हैं। उनके नेतृत्व में पार्टी ने भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू की। पिछले आम चुनाव में पार्टी के खराब प्रदर्शन के बाद राहुल गांधी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद से इस्तीफा दे दिया था।

राजनांदगांव से भूपेश, , विकास रायपुर से

ज्योत्सना-कोरबा, राजेन्द्र-दुर्ग, शिव-डहरिया-जांजगीर-चांपा व ताम्रध्वज महासमुंद से लड़ेंगे

रायपुर। आगामी लोकसभा चुनाव 2024 की बिसात पूरी तरह से बिछ चुकी है। कांग्रेस ने भी पहली लिस्ट जारी कर दी है। कांग्रेस ने पहली सूची में 39 लोगों को प्रत्याशी बनाया है। वहीं कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ से छह नामों का एलान किया है जिसमें कोरबा से ज्योत्सना महंत को उम्मीदवार बनाया है। राजनांदगांव से भूपेश बघेल, रायपुर से विकास उपाध्याय, जांजगीर चांपा से शिवकुमार डहरिया को उम्मीदवार बनाया गया है। कांग्रेस ने महासमुंद से ताम्रध्वज साहू को उम्मीदवार बनाया है। राजेन्द्र साहू को पार्टी ने दुर्ग से उम्मीदवार बनाया है। इससे पहले बीजेपी ने लोकसभा चुनाव के लिए अपने 195 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की थी। लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने 39 उम्मीदवारों के नामों का एलान किया है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने शुक्रवार को दिल्ली स्थित पार्टी कार्यालय में पत्रकार वार्ता कर उम्मीदवारों के नामों का एलान किया। पहली लिस्ट में 15 उम्मीदवार सामान्य वर्ग से हैं।

भूपेश बघेल | ताम्रध्वज साहू | ज्योत्सना महंत | विकास उपाध्याय | शिवकुमार डहरिया

कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट में 39 नामों का ऐलान किया है जिसमें 15 जनरल कैटेगरी से ताल्लुक रखते हैं जबकि 24 उम्मीदवार ऐसे हैं जो एससी,एसटी और ओबीसी समुदाय से आते हैं। पार्टी ने छत्तीसगढ़ से छह उम्मीदवारों को मौदान में उतारा है।

राजनांदगांव लोकसभा सीट पर आजादी के बाद से अब तक कुल 17 चुनाव हो चुके हैं। राजनांदगांव निर्वाचन क्षेत्र में 1952 से लेकर 1999 तक 13 बार चुनाव हुए। जिनमें से ज्यादातर नतीजे कांग्रेस के ही पक्ष में रहे हैं। साल 2000 में मध्य प्रदेश के विभाजन से बने छत्तीसगढ़ के अस्तित्व में आने के बाद से यहां 2007 में एक उपचुनाव के अलावा तीन लोकसभा चुनाव हुए हैं। 1999 के बाद से 2007 के उपचुनावों के अलावा सभी चुनावों (1999, 2004, 2009, 2014 और 2019) में बीजेपी ने सीट पर कब्जा करने में कामयाब रही है।

किसान महासम्मेलन को लेकर अपूर्व उत्साह

लाखों किसान अपने ट्रैक्टर व अन्य साधनों से पहुँचेंगे : नेताम

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री साय, मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चाहर समेत राष्ट्रीय पदाधिकारियों का संबोधन होगा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के तत्वावधान में कल 09 मार्च को होने जा रहे किसान महासम्मेलन को लेकर प्रदेश के किसानों में अभूतपूर्व उत्साह है।महासम्मेलन में लाखों किसान अपने ट्रैक्टर व अन्य साधनों से पहुंचकर शिरकत करेंगे। नेताम ने बताया कि किसान महासम्मेलन में देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार चाहर जी समेत राष्ट्रीय पदाधिकारियों का संबोधन होगा। प्रदेश के समस्त किसान भाइयों को इस सभा के लिए आमंत्रित किया गया है। प्रदेश के कृषि मंत्री नेताम ने शुक्रवार को राजधानी के महासम्मेलन स्थल पर आहूत पत्रकार वार्ता में बताया कि महासम्मेलन के परिप्रेक्ष्य में दो दिनों में मोर्चा की सभी जिला इकाइयों की बैठक रखी गई। महासम्मेलन में प्रदेश की सभी मंडल इकाइयों का प्रतिनिधित्व होगा। इस दौरान श्री नेताम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र और मुख्यमंत्री विष्णुद्व साय के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार ने किसानों के सर्वतोमुखी कल्याण के लिए अनेक योजनाओं को क्रियान्वित किया है। मोदी की गारंटी के तहत भाजपा की प्रदेश सरकार ने कृषक उन्नति योजना को अमल में लाने की घोषणा की है। कृषक उन्नति योजना को तहत प्रदेश सरकार ने प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान 31 सौ रूपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदने का वादा पूरा किया है।

बस्तर संभाग के सभी जिलों में बनेंगे दंतेश्वरी शक्ति केन्द्र

दंतेवाड़ा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दंतेवाड़ा जिले के जावंगा एजुकेशन सिटी के सभागृह में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर बस्तर की महिला शक्ति के मध्य आना उनका सौभाग्य है। बस्तर की वीरांगनाएं विपरीत परिस्थितियों में भी समाज और देश की रक्षा के लिए डटी हुई हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर फाईटर्स, दंतेश्वरी फाइटर्स, सीआरपीएफ सहित सुरक्षा बल पूरी दक्षता के साथ अपनी महत्वपूर्ण सेवाएं दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर बस्तर फाईटर्स और दंतेश्वरी फाइटर्स में तैनात महिला पुलिस जवानों से उनके संघर्षों और वीरता की गाथा सुनकर उनका उत्साह वर्धन किया। (विस्तृत समाचार पेज 3 पर)

कांग्रेस को लगा झटका, बैंक अकाउंट्स पर रोक लगाने की याचिका खारिज

नई दिल्ली. लोकसभा चुनाव 2024 से पहले कांग्रेस को एक और बड़ा झटका लगा है. आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण ने कांग्रेस के बैंक अकाउंट्स के खिलाफ विभाग की कार्रवाई को रोकने के लिए दायर याचिका को खारिज कर दिया है. कांग्रेस ने इनकम टैक्स डिपार्टमेंट पर पार्टी के बैंक अकाउंट से 65 करोड़ रुपये निकालने का आरोप लगाया है. पार्टी पर 115 करोड़ रुपये का टैक्स बकाया था. कांग्रेस ने कहा कि टैक्स रिटर्न का मामला इनकम टैक्स अपीलेट ट्रिब्यूनल में लंबित है. ढ्ढञ्ज डिपार्टमेंट ने गैर लोकतांत्रिक तरीके से मंगलवार (20 फरवरी) को पैसे निकाले हैं.

शुक्रवार को इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के एक्शन के खिलाफ याचिका खारिज होने के बाद कांग्रेस के वकील विवेक तन्खा ने ट्रिब्यूनल से अगले 10 दिनों तक इस आदेश को स्थगित रखे जाने

की अपील की. सूत्रों ने कहा कि पार्टी अब दिल्ली हाईकोर्ट में अपील दायर करेगी. इससे पहले 16 फरवरी को कांग्रेस ने इनकम टैक्स डिपार्टमेंट पर पार्टी के बैंक अकाउंट फ्रीज करने का आरोप लगाया था. कांग्रेस के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अजय माकन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा था कि इनकम टैक्स ने यूथ कांग्रेस और कांग्रेस पार्टी से 210 करोड़ रुपये की रिकवरी मांगी है. इसके कुछ घंटों बाद इनकम टैक्स अपीलेट ट्रिब्यूनल ने कांग्रेस के फ्रीज अकाउंट पर लगी रोक हटा दी थी. अजय माकन ने 16 फरवरी को कहा था- हमें 14 फरवरी को जानकारी मिली कि बैंकों ने पार्टी के द्वारा जारी किए गए चेक रोक दिए हैं. वे हमारे चेक क्लियर नहीं कर रहे. कांग्रेस पार्टी के अकाउंट्स भी फ्रीज कर दिए गए हैं. इसके अलावा क्राउड फंडिंग वाले अकाउंट को भी फ्रीज कर दिया गया है. माकन ने कहा- अजय माकन ने बताया कि पार्टी से 2018-19 के इनकम टैक्स रिटर्न के बेस पर 210 करोड़ की रिकवरी मांगी गई है. अभी हमारे पास बिजली का बिल भरने के लिए और अपने कर्मचारियों को वेतन देने के लिए पैसे नहीं हैं. अकाउंट फ्रीज होने के कारण न केवल भारत जोड़ो न्याय यात्रा, बल्कि पार्टी की सभी राजनीतिक गतिविधियां प्रभावित होंगी. यह लोकतंत्र को फ्रीज करने जैसा है. कांग्रेस ने इनकम टैक्स के एक्शन को लेकर बीजेपी पर केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया है. कांग्रेस ने पूरे मामले को राजनीति से प्रेरित बताया. कांग्रेस ने बीजेपी सरका पर वित्तीय आतंकवाद और उसके प्राथमिक विपक्ष को पंगु करने की कोशिश का भी आरोप लगाया है.

प्रमुख समाचार

अकेले चुनाव लड़ेगी पीडीपी: महबूबा, टूटा इंडिया गठबंधन

लोकसभा चुनाव 2024: इंडिया ब्लॉक की एकता को एक और झटका देते हुए, जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती के नेतृत्व वाली पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के आगामी लोकसभा चुनाव अकेले लड़ने की संभावना है। यह घटनाक्रम नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) नेता और जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम उमर अब्दुल्ला के उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि वे कश्मीर में सभी तीन सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। उमर अब्दुल्ला के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए, महबूबा मुफ्ती ने कहा, उमर अब्दुल्ला ने खुद कहा था कि वे गठबंधन में नहीं हैं। हम चाहते थे कि पीपुल्स अलायंस फॉर गुपकर डिक्लेरेशन जारी रहे लेकिन हर कोई जानता है कि इस पीएजीडी को किसने खत्म किया। हम कांग्रेस से बात करेंगे। चूंकि हम इंडिया ब्लॉक गठबंधन में हैं और देखते हैं कि आगे कैसे बढ़ना है. पीएजीडी एक लोकतांत्रिक और अद्वितीय गठबंधन था लेकिन जिस तरह से इसे बिखेर दिया गया है वह बहुत निराशाजनक है। देश में जो कुछ भी हो रहा है उसके लिए जम्मू और कश्मीर एक प्रयोगशाला है जिसका सामना करना पड़ रहा है एक बड़ी चुनौती है.

बिहार विधान परिषद के उम्मीदवारों का ऐलान, राजद से राबड़ी और अब्दुल उम्मीदवार

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने विधान परिषद चुनाव के लिए चार उम्मीदवारों के नाम तय कर लिए है। महाठगबंधन की पांच सीटों पर जीत निश्चित दिख रही है, जबकि राजद ने चार और सीपीआई (एमएल) ने पहले ही एक उम्मीदवार की घोषणा कर दी है। कांग्रेस अपनी सीट खो सकती है। राजद की तरफ से पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, जिनका कार्यकाल समाप्त हो रहा है, वरिष्ठ नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी, उर्मिला ठाकुर, और फैसल अली के साथ फिर से नामांकन दाखिल करेंगी। चुनाव आयोग ने बिहार विधान परिषद की 11 सीटों पर द्विवार्षिक चुनाव की घोषणा की थी क्योंकि बिहार विधान सभा के कोटे से चुने गए 11 सदस्यों का कार्यकाल मई में समाप्त होने वाला है। महागठबंधन की ओर से जिन सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है उनमें राजद की राबड़ी देबी और राम चंद्र पूर्वे और कांग्रेस के प्रेम चंद्र मिश्रा शामिल हैं। यहां तक कि हम (एस) नेता संतोष मांझी को भी महागठबंधन के कोटे से भेजा गया था।

नितिन हमारे साथ आएं उद्धव ने दिया ऑफर

मुंबई। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने सीधे तौर पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को महा विकास अघाड़ी में शामिल होने का ऑफर दिया है। छत्रपति शिवाजी महाराज ने कभी भी दिल्ली की गद्दी के सामने घुटने नहीं टेके थे। वर्तमान महाराष्ट्र कैसे झुकेगा? उम्मीदवारों की पहली सूची में काला धन संग्रह करने वाले कृपा शंकर सिंह को जगह मिली है। लेकिन बीजेपी को आगे बढ़ाने में अपनी जान गंवाने वाले नितिन गडकरी के नाम की घोषणा अभी तक नहीं की गई है। दिल्ली को झुकाओ मत, दिल्ली के अहंकार को लात मारो। महा विकास अघाड़ी में आएं, आपको चुनना हमारी जिम्मेदारी है। इसके बाद देवेन्द्र फड़णवीस ने अपने अंदाज में इस ऑफर का जवाब दिया है। मराठा आरक्षण को कोर्ट ने वैध करार दिया। उसी के अनुरूप भर्ती प्रक्रिया अपनाने को कहा गया। अब एक बार फिर कोर्ट ने वही निर्देश दिए हैं, क्योंकि मामला लंबित है। देवेन्द्र फडणवीस ने यह भी कहा है कि मैंने हाई कोर्ट द्वारा दिए गए निर्देश नहीं पढ़े हैं। ये कहानी मैं अनुभव के आधार पर बता रहा हूं।

लोस चुनाव: देश भर में 12.5 लाख मतदान केंद्र, 3.4 लाख सीएपीएफ जवानों की मांग

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं और भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने पूरे भारत में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) कर्मियों की तैनाती के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय के साथ सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा की है। यह बैठक, जो हर चुनाव से पहले नियमित बात होती है। चुनाव के लिए चुनाव आयोग के निर्देश पर गृह मंत्रालय द्वारा बलों को तैनात किया जाता है। कर्मियों की सूची में सभी सीएपीएफ, राज्य सशस्त्र पुलिस बल, भारतीय रिजर्व बटालियन, रेलवे सुरक्षा बल और अन्य शामिल हैं। एक अधिकारी के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में कहा गया कि आयोग चुनाव के स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण संचालन के लिए सीएपीएफ की तैनाती का निर्देश देता है, चाहे वह आम चुनाव हो या लोकसभा या विधानसभाओं के उप-चुनाव। चुनाव ड्यूटी के लिए तैनात किए गए सीएपीएफ का इस्तेमाल किसी अन्य उद्देश्य के लिए नहीं किया जाएगा। चुनाव से पहले और चुनाव के बाद के चरण में भी बलों की आवश्यकता होती है। चुनाव पूर्व चरण में निगरानी से लेकर मतदान केंद्रों की सुरक्षा और बाद में मतदान वाले ईवीएम और वीवीपैट के साथ-साथ मतदान और मतगणना कर्मियों को सुरक्षा प्रदान करने तक, सीएपीएफ की भूमिका महत्वपूर्ण है।

एलएसी पर चीन के खिलाफ मजबूत मोर्चे की तैयारी में भारत

नई दिल्ली। चीन को रोकने के लिए भारत नई-नई रणनीति अपना रहा है। चीन के साथ बार-बार टकराव के माहौल में भारत ने सीमा को मजबूत करने के लिए नई रणनीति अपनाई है। भारत-चीन सीमा की पश्चिमी सीमा पर 10,000 सैनिक तैनात किए गए हैं। हालांकि, इस संबंध में सेना के अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। हालाँकि, यह ज्ञात है कि यह सेना उत्तराखंड से हिमाचल प्रदेश तक चीनी सीमा पर तैनात की गई है। भारत-चीन सीमा के इस सेक्टर में पहले से ही 9,000 सैनिक तैनात हैं। भारतीय सैनिक 532 किमी लंबी सीमा को और अधिक सुरक्षित करेंगे। पिछले दशक में इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचागत निवेश और विकास देखा गया है। केंद्र में बीजेपी सरकार बनने के बाद इस क्षेत्र में पर्यटन भी बढ़ा है। 2020 में चीन के साथ झड़प में कम से कम 20 भारतीय सैनिक मारे गए। भारतीय सैनिकों ने भी चीन को करारा जवाब दिया, लेकिन चीन ने अपने सैनिकों की मौत का आंकड़ा नहीं बताया। इस घटना के बाद, भारत ने 2021 में चीन के साथ अपनी सीमा पर गश्त के लिए अतिरिक्त 50,000 सैनिकों को तैनात किया। घटना के बाद से, भारत और चीन ने सीमावर्ती क्षेत्रों में सैन्य-संबंधित बुनियादी ढांचे में वृद्धि की है.

400 का आंकड़ा छूने में ऐसे मदद करेगा मिशन साउथ

दक्षिण में पत्थर पर लकीर खीचेंगे मोदी!

अमित शर्मा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर भी दोहराया है कि भाजपा इस चुनाव में 400 सीटों का आंकड़ा पार कर तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। 400 सीटों को पार करने के दावों को केवल चुनावी जुमला ही माना जा रहा था। आलोचकों का मानना था कि केवल उत्तर भारतीय राज्यों में सिमटी भाजपा के लिए चार सौ सीटों का आंकड़ा पार कर पाना संभव नहीं है। लेकिन भाजपा ने जिस तरह दक्षिण भारत के राज्यों में अपने समीकरण ठीक करने शुरू किए हैं, माना जा रहा है कि पार्टी 400 सीटों की संख्या पार कर सकती है। यानी प्रधानमंत्री मोदी का 400 सीटों का वादा चुनावी जुमला नहीं, बल्कि भाजपा की ठोस रणनीति पर आधारित अनुमान था, जिसकी परतें अब खुलनी शुरू हुई हैं।

पत्थर पर लकीर खींचना मोदी के हवाले

भाजपा के एक नेता के अनुसार, पार्टी नेताओं की एक उच्चस्तरीय बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका इशारा कर दिया था। नेता के अनुसार, प्रधानमंत्री ने कहा था कि पत्थर पर लकीर वे स्वयं खींचेंगे, जबकि मक्खन पर लकीर खींचने का काम पार्टी के दूसरे नेताओं को करना है। नेता के अनुसार, प्रधानमंत्री का आशय था कि दक्षिण के मुश्किल मिशन पर जीत हासिल करने का काम वे स्वयं करेंगे, जबकि उत्तर भारत के राज्यों में जहां पार्टी बहुत मजबूत स्थिति में पहुंच चुकी है, वहां जीत हासिल करने का काम पार्टी के दूसरे नेताओं को करना है। इस बैठक के बाद ही प्रधानमंत्री ने दक्षिण भारत में अपने दौरों को अचानक बढ़ा दिया था।

आंध्र, ओडिशा, कर्नाटक तेलंगाना में मजबूत

आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस की स्थिति कुछ कमजोर होती दिख रही है। इसका सीधा लाभ तेलगुदेशम पार्टी को मिल सकता है, जो एनडीए में लगभग आ चुकी है। इसके साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पवन कल्याण की लोकप्रियता भी आंध्र प्रदेश में एनडीए को मजबूती दे सकती है। भाजपा लगभग पांच सीटों पर चुनाव लड़ सकती है, जिसमें दो सीटों पर उसकी संभावना ज्यादा मजबूत हो सकती है। भाजपा नेताओं का मानना है कि इससे दक्षिण के इस बेहद महत्वपूर्ण राज्य में भाजपा को लाभ मिल सकता है।

अब तक यह तय हो चुका है कि तेलंगाना में भाजपा बीआरएस के साथ चुनाव में नहीं जाएगी, लेकिन इसके बाद भी राज्य में उसे नौ से दस सीटों के जीतने का अनुमान है। ओडिशा में बीजू जनता दल के साथ में आने की संभावना बन चुकी है। इसकी घोषणा कभी भी हो सकती है। भाजपा नेताओं का मानना है कि बीजू जनता दल के साथ आने से एनडीए राज्य की सभी 21 सीटों पर जीत हासिल कर सकता है। यानी दक्षिण में भी भाजपा उत्तर भारत की तरह क्लीन स्वीप कर सकती है। तमिलनाडु और केरल में पार्टी के लिए अभी जीत की राह आसान नहीं हुई है, लेकिन इसके बाद भी इन राज्यों में पार्टी अपने लिए दो से तीन सीटों पर जीत हासिल करने का अनुमान लगा रही है। पार्टी का अनुमान है कि जिस तरह केरल के कई प्रभावशाली ईसाई नेता उसके साथ आए हैं, हिंदू मतदाताओं के साथ जुड़ने पर उसे इसका लाभ मिल सकता है। यानी इस बार केरल से भी राजनीतिक पंडितों के लिए भाजपा के संदर्भ में चौंकाने वाले परिणाम आ सकते हैं।

25 से 30 रैली करेंगे प्रधानमंत्री

माना जा रहा है कि एक सप्ताह में चुनाव आयोग लोकसभा चुनाव 2024 की घोषणा कर सकता है। इसके बाद प्रधानमंत्री अकेले दक्षिणी भारत के राज्यों में 25 से 30 रैलियां कर सकते हैं। इसका लाभ केवल भाजपा को ही नहीं मिलेगा, बल्कि एनडीए गठबंधन में शामिल दलों को भी इसका लाभ मिल सकता है। इस तरह भाजपा चार सौ के आंकड़े को पार कर सकती है।

महाशिवरात्रि पर भोरमदेव मंदिर में भक्तों का तांता, श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ के खजुराहो के नाम से प्रसिद्ध प्राचीन भोरमदेव मंदिर में महाशिवरात्रि पर भक्त सुबह से पहुंच रहे है। भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर भक्त उनका जलाभिषेक कर रहे हैं। माना जाता है कि महाशिवरात्रि में भगवान भोलेनाथ की विषेश पूजा-अर्चना और जलाभिषेक करने से भगवान शंकर प्रसन्न होते हैं। भेलेनाथ भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं। इसलिए भक्त इस विशेष दिन मंदिर पहुंचकर भोलेनाथ की विशेष पूजा-अर्चना कर रहे हैं।

पौराणिक कथाओं के अनुसार, महाशिवरात्रि के दिन भगवान शंकर का विवाह संपन्न हुआ था, इसलिए आज के दिन को विशेष माना जाता है। इस दिन जितने भी श्रद्धालु होते हैं, जो भगवान को प्रसन्न करने व्रत करके पूजा-अर्चना और जलाभिषेक करते है। भगवान भोलेनाथ प्रसन्न होकर भक्तों की सभी मनोकामनाओं को पूरा करते हैं। इसी वजह से आज सुबह से ही भोरमदेव मंदिर में भक्तों की भीड़ लगी है, जो शाम 07 बजे तक बनी रहेगी।

पुजारी आशीष पाठक ने कहा भोरमदेव महराज का ब्रह्म मुहूर्त में पूजा-अर्चना और जलाभिषेक संपन्न हुआ है। भोरमदेव मंदिर ट्रस्ट ने 51 किलो लड्डू का भोग चढ़ाया है। जिस तरहा भगवान भोलेनाथ का उनके विवाह के दिन श्रृंगार हुआ था, उसी तरह भोरमदेव महराज का भी श्रृंगार किया गया है। मंदिर को फूल लाइटिंग से दुल्हन की तरह सजाया गया है, जिससे मंदिर का दिव्य रूप भक्तों का मन मोह रहा है।

कवर्धा के भोरमदेव मंदिर में महाशिवरात्रि के दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटती है। आसपास के क्षेत्रों और बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के चलते भीड़भाड़ और ट्राफिक की समस्या हो जाती है। इसको ध्यान में रखते हुए कवर्धा जिला प्रशासन ने अधिकारियों की ड्यूटी लगाई है। पुलिस के जवान जगह-जगह पर यातायात व्यवस्था सुधारने में जुटे हैं। एक एक कर श्रद्धालुओं को मंदिर में दर्शन के लिए प्रवेश दिया जा रहा है।

कबीरधाम जिला मुख्यालय से 18 किलोमीटर दूर मैकल पर्वत श्रेणी के बीच स्थित है प्राचीन भोरमदेव मंदिर। 11वीं शताब्दी में नागवंशी राजाओं द्वारा इस मंदिर का निर्माण कराया गया। बताया जाता है कि मंदिर का निर्माण 6 महीने में किया गया था। मंदिर में पत्थर की दीवारों पर कलाकृतियां उकेरी गई है, जो अपने आप में लोगों के लिए कौतूहल का विषय है। लोग भगवान के दर्शन करने के साथ-साथ पुरातात्विक धरोहर की सुंदरता को भी देखने यहां आते हैं। भोरमदेव मंदिर के सामने तलाब में लोग बोर्डिंग का भी मजा लेते हैं। यहां बच्चों के मनोरंजन के लिए गार्डन भी बनाया गया है।

महाशिवरात्रि पर प्राचीन कपिलेश्वर मंदिर में विशेष पूजा, लगी लंबी कतारें

बालोद। बालोद में महाशिवरात्रि पर्व पर भगवान भोलेनाथ की विशेष पूजा अर्चना आज जिले भर में की जा रही है लेकिन जिले में कई ऐसे प्राचीन शिव मंदिर हैं, जो अपनी विशेषता के लिए जाने जाते हैं। उसी में से एक जिला मुख्यालय के नयापारा में स्थित 11वीं शताब्दी का शिवलिंग, भगवान गणेश की मूर्तियां आज भी शोभायमान है। यहां की पहचान देशभर में कपिलेश्वर शिव मंदिर समूह एवं बावड़ी के रूप में होती है यहां आज विशेष मेले का आयोजन किया जा रहा है। सुबह से ही भगवान भोलेनाथ की पूजा के लिए लोग दूर-दूर से पहुंचे हुए हैं।

कपिलेश्वर मंदिर समूह में भगवान शिव, गणेश को समर्पित मंदिर है। कृष्ण, देवी दुर्गा, संतोषी और राम जानकी मंदिर भी है। भगवान शंकर को समर्पित कपिलेश्वर मंदिर सबसे बड़ा है। पूर्वाभिमुख इस मंदिर में सिर्फ गर्भगृह मात्र है। मंदिर का शिखर काफी ऊंचा है। दोनों तरफ भगवान गणेश की छह फीट की प्रतिमा स्थापित है। मंदिर द्वार के दाएं और बाएं तरफ कई देवी-देवताओं की प्रतिमाएं स्थापित हैं।

कपिलेश्वर जनसेवा समिति के सदस्य चेतन नागवंशी ने बताया कि यहां शिव मंदिर के सामने एक कुंड है। जहां हमेशा पानी भरा रहता है। जो कभी नहीं सूखता। मेरी जानकारी में तो सूखा ही नहीं है। कई योद्धाओं की प्रतिमा स्तंभों पर स्थापित हैं।

शिवलिंग, राजा-रानी की मूर्तियां 11वीं से 14वीं शताब्दी का है। प्रत्येक मंदिर के दरवाजे के ऊपर गणेश की मूतियां अंकित है। मंदिरों के शिखर भाग पर नागों की आकृतियां अंकित है। अनुमान है कि यहां पर भी स्थानीय नागवंशी राजाओं का शासन रहा होगा। किवंदती है कि इनके शासन काल में ही इन मंदिरों का निर्माण होना माना गया है। यहां भगवान राम का मंदिर गर्भगृह और मंडप में विभक्त है। आज महाशिवरात्रि पर यहां विभिन्न आयोजन हो रहे हैं।

ज्वालेश्वर महादेव के मंदिर में शिवभक्तों ने की पूजा-अर्चना

गौरेला पेंड्रा मरवाही। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की सीमा पर स्थित मां नर्मदा की उद्गम स्थली अमरकंटक और छत्तीसगढ़ के हिस्से में स्थित भगवान ज्वालेश्वर महादेव के मंदिर में महाशिवरात्रि के मौके पर सुबह पांच बजे से ही श्रद्धालु पहुचने शुरु हो गए। काफी संख्या में भक्त पूजा-अर्चना करने के लिए मदिर में पहुंच रहे हैं।

शिव भक्त अमरकंटक स्थित मां नर्मदा के उद्गम स्थल से नर्मदा जल भरकर भगवान भोले का अभिषेक करने पहुंच रहे हैं। ज्वालेश्वर महादेव का विशेष श्रृंगार किया गया। फागुन माह की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को हिंदू पंचांग के अनुसार महाशिवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। ऐसा मानना है कि इस दिन भगवान शिव और मां पार्वती का विवाह संपन्न हुआ था। इस मौके पर हर साल अमरकंटक स्थित ज्वालेश्वर महादेव मंदिर में विशेष पूजा अर्चना का आयोजन किया जाता है।

मंदिर को फूलों और लाइट से सजाया गया है। श्रद्धालु दूर-दूर से ज्वालेश्वर महादेव का पूजन अर्चन करने मंदिर पहुंचते हैं। माइकल पर्वत श्रृंखला में स्थित जलेश्वर महादेव में आज पूरी रात भगवान महादेव की पूजा होगी। सुबह पांच बजे से ही भक्त बाबा का आशीर्वाद लेने मंदिर पहुंच रहे हैं।

राजिम कुंभ कल्प में साधु संतों ने निकाली भव्य शोभायात्रा

राजिम। महाशिवरात्रि के अवसर पर आज कुलेश्वरनाथ मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी है। भगवान भोलेनाथ के दर्शन-पूजा कर भक्त परिवार की खुशहाली की कामना कर रहे। वहीं राजिम कुंभ कल्प में साधु संतों ने भव्य शोभायात्रा निकाली।

बता दें कि देशभर से साधु संत राजिम कुंभ कल्प पहुंचे हैं। बड़ी संख्या में विदेश से भी पर्यटक पहुंचे हैं। महाशविरात्रि पर शोभायात्रा के दौरान नागा साधुओं ने शौर्य प्रदर्शन किया। विशाल शोभायात्रा को देखने लाखों की संख्या में लोग पहुंचे हैं। आज शाम को राजिम कुंभ कल्प का समापन होगा। समापन समारोह में राज्यपाल शामिल होंगे।

महाशिवरात्रि के दिन घर में घुसा सांप

कोरबा। कोरबा जिले के साथ देश भर में आज हर तरफ महाशिवरात्रि पर्व की धूम है, लोग सुबह से ही मंदिर पहुंच कर भगवान शिव पर जलाभिषेक कर पूजा अर्चना कर रहे हैं। वहीं दादर खुर्द गांव के एक घर में काले-पीले रंग का सांप घुसने पर शुभ माना जा रहा है लोग उसको आस्था के रुप में देख रहे हैं जिसके फल स्वरूप उसको मारने के बजाए बचाने के लिए वाइल्डलाइफ रेस्क्यू टीम प्रमुख जितेंद्र सारथी को सूचना दी गई। अहिराज साप को सुरक्षित रेस्क्यु किया और डिब्बे में बंद किया, गांव वालों ने भगवान शिव जी का नारा भी लगाया, उसके पश्चात् सांप को सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया गया। मकान मालिक पप्पू केवट ने बताया कि महाशिवरात्रि के दिन उनके घर पर अहिराज सांप को देखे जाने पर वह शुभ मानते हैं भगवान भोलेनाथ साक्षात उसे घर पर दर्शनदिया है और वह दर्शन पाकर धन्य हो गया। जितेंद्र सारथी ने जिले के सभी आमजनों से अपील करते हुए कहा है कि सांपो के निकलने का समय चालू हो गया है, धूप और गर्मी से बचने के लिए छांव की तलाश में घरों में घुस रहे हैं। सांप दिखते ही हेल्पलाइन नंबर पर सूचना दें।

महिला दिवस पर महिलाओं के लिए डाकघर में खास बचत योजना

कोरबा। इस महिला दिवस पर पोस्ट ऑफिस में महिलाओं के लिए खास योजना लाई गई है जो महिलाओं के लिए बेहद किफायती और फायदेमंद है। इस बचत के जरिए खासतौर पर मध्यम वर्गीय परिवारों की महिलाओं को पैसा बचाने का अच्छा मौका मिल सकता है।

महिला सम्मान बचत पत्र योजना के बारे में ज्यादातर लोगों को पता नहीं है। लेकिन इस योजना को केंद्र सरकार ने अलग से बजट प्रदान किया था। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस योजना को केंद्रीय बजट 2023-24 में शामिल करते हुए इसका विस्तार देश भर में किया है। जिसके तहत महिलाएं अधिकतम 2 लाख रुपये तक की राशि डाकघर में जमा कर सकती हैं। जिसके विरुद्ध उन्हें सालाना साढ़े 7 प्रतिशत का ब्याज दिया जाएगा।

महिला सम्मान बचत पत्र योजना योजना में किसी भी भारतीय महिला या लड़की को डाकघरों में अकाउंट खोलना होगा। 1000/रुपए से अधिकतम 2 लाख रुपये पर

सालाना के हिसाब से 7 ।5 प्रतिशत का निश्चित ब्याज दिया जाएगा। इसमें कम से कम 1000 और अधिकतम रू। 2 लाख तक अकाउंट में जमा किए जा सकते हैं। 2 साल की अवधि के लिए शुरू की गयी। इस योजना में रुपये की निवेश सीमा के साथ चक्रब्रद्धि ब्याज दर 7 ।5 प्रतिशत का विशेष प्रावधान है।

महिला सम्मान बचत पत्र 2023 के लिए अधिसूचना जारी हो चुकी है। सभी डाकघरों में तत्काल प्रभाव से इस योजना का लाभ लिया जा सकता है। कोरबा शहर के कोसाबाड़ी में संचालित प्रधान डाकघर के डिप्टी पोस्टमास्टर एसएन रात्रे ने बताया फिलहाल इस योजना के माध्यम से प्रधान डाकघर में 180 खाते खुल चुके हैं। योजना के जरिये 7 ।5 प्रतिशत चक्रवृद्धि ब्याज की दर से महिलाओं को ब्याज दिया जाता है। जो योजना की खास बात है। अधिकतम 2 लाख तक की राशि महिला सम्मान बचत पत्र खाते में जमा कराई जा सकती है। एक साथ नहीं दे पाने की स्थिति में इसे किश्तों में भी जमा किया जा सकता है।

केंद्र सरकार ने इस योजना को 2023-24 के बजट में शामिल किया था। शुरू करने के बाद केंद्र सरकार ने इस योजना को बंद करने की डेट घोषित कर दी थी। वर्तमान में योजना प्रभावशील है। महिलाएं डाकघर में जाकर इसका लाभ ले सकती हैं, लेकिन 31 जनवरी 2025 के बाद डाकघर इस योजना को बंद कर देगा। इसके बाद महिलाएं इस योजना का लाभ नहीं ले पाएंगी।

बिना सूचना दिए कलेक्ट्रेट का घेराव करना पड़ा भारी, प्रदर्शनकारियों के खिलाफ एफआईआर

खैरागढ़। जिले में धरना प्रदर्शन और बिना सूचना के जिला कार्यालय का घेराव करना ग्रामीणों को भारी पड़ गया। जिला कार्यालय में अनाधिकृत तरीके से प्रवेश कर परिसर के अंदर नारेबाजी कर सरकारी काम में बाधा डालने वाले लोगों के खिलाफ खैरागढ़ थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। पूरा मामला जिला कार्यालय खैरागढ़ का है।

प्रभारी सचिव सर्व विभाग की कामकाजी बैठक ले रहे थे। इस दौरान ग्राम विचारपुर, पंडरिया,संडी के कुछ ग्रामीणों ने अचानक बिना किसी पूर्व सूचना के कलेक्ट्रेट का घेराव कर दिया और जमकर नारेबाजी करने लगे। ग्रामीण अपने क्षेत्र में खुलने वाली सीमेंट फैक्ट्री का विरोध करने कलेक्ट्रेट पहुंचे थे, लेकिन जिला कार्यालय में प्रभारी सचिव सभी विभाग की बैठक ले रहे थे, जिसके कारण कलेक्टर चंद्रकांत वर्मा ग्रामीणों से नहीं मिल सके।

खैरागढ़ एसडीएम टंकेश्वर साहू ने प्रदर्शनकारियों को समझा बुझाकर वहां से हटाया, लेकिन जैसे ही प्रभारी सचिव कार्यालय से निकले तभी फिर से सभी लोग जिला कार्यालय के मुख्य द्वार पर एकत्रित हो गए और इरादतन घेराव का प्रयास करने लगे। मौके पर मौजूद अधिकारी भीड़ को समझाइश देते रहे, लेकिन भीड़ समझने का नाम नहीं ले रही थी। कार्यालय का मुख्य द्वार घेरकर भीड़ लगातार जिला प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर रही थी।

ग्रामीणों के प्रदर्शन के चलते आमजन और अधिकारी कर्मचारी समेत सभी लोग जिला कार्यालय आने और वहां से बाहर जाने में बड़ी परेशानी का सामना कर रहे थे। ऐसे में जिला कार्यालय अधीक्षक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए खैरागढ़ थाने में वीरेंद्र जंघेल, श्रवण जंघेल, नोहर जंघेल ,नारायण जंघेल, खेलन वर्मा और पंडरिया निवासी ज्योति जंघेल समेत अन्य सभी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने की शिकायत दर्ज कराई है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

सूरजपुर की उड़नपरी सोनिका नेशनल मैराथन में आई अव्वल

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ का एक छोटा जिला सूरजपुर है ।लेकिन यहां की प्रतिभावान बेटी ने बड़ा कारनामा किया है। इस बेटी का नाम सोनिका राजवाड़े है। सोनिका ने हाल ही में नेशनल मैराथन प्रतियोगिता में पहला स्थान लाकर इस दौड़ में हिस्सा लेने वाले दूसरे धावकों को चौंका दिया। सोनिका की इस उपलब्धि के कारण अब लोग इन्हें उड़नपरी के नाम से बुलाने लगे हैं। इस कामयाबी के बाद अब सोनिका ओलंपिक में अपना जौहर दिखाना चाहती है ।लेकिन सुविधाओं का अभाव उनके रास्ते में पहाड़ जैसा खड़ा है। फिर भी सोनिका सबकुछ भुलाकर ओलंपिक की तैयारियों में जुट चुकी हैं। सोनिका को धावक बनने में कोई दिलचस्पी नहीं थी। लेकिन पड़ोस में रहने वाली धावक चंद्रावती को देखकर उसके भी मन में दौड़ में हिस्सा लेने का ख्याल आया। चंद्रावती भी एक मैराथन धावक हैं। उसे देखने के बाद सोनिका भी चंद्रावती के साथ मिलकर दौड़ने लगी। लेकिन परिवार आर्थिक रूप से मजबूत नहीं था। परिवार चाहता था कि सोनिका को अच्छी एकेडमी में भेजकर ट्रेनिंग दिलाई जा सके। लेकिन ऐसा हो ना सका।

महिला दिवस पर सद्भावना मैराथन दौड़ का आयोजन

कांकेर। कांकेर में आठ मार्च 2024 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर में मतदाता जागरूकता अभियान के लिए सद्भावना मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। कांकेर के राम प्रसाद पोटाई चौक सिंगारभांट सेगांधी ग्राम कुलगांव तक कल पांच किलोमीटर तक की मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। जिसका आयोजन केबीकेएस एवं सर्व आदिवासी समाज युवा प्रभाव के तत्वाधान में किया गया। जिसमें जिला कलेक्टर पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में कोतवाली कांकेर एवं यातायात पुलिस कांकेर एवं नवोदित समाज सेवी संस्था का सहयोग रहा है। जिसमें स्पोर्ट्स अकेडमी के छात्र- छात्राओं ने मैराथन दौड़ में भाग लिया इसके कोच बंशीलाल नेताम जी ने बताया की इस मैराथन दौड़ में स्पोर्ट्स अकेडमी की छात्रा आरती कुंजाम जो की इंद्रासन कुन जैसे पर्वत को पतैह किया है, योगिता मरकाम जो की राष्ट्रीय 100 मीटर लंबी कूद गोल्ड हासिल कर देश में महिलाओं की सहभागिता को नई ऊंचाई तक पहुंचाया है।

माधुरी राज्यस्तरीय वर्ड पॉवर चैंपियनशिप में आया तीसरा

कोरिया। सफलता किसी चीज की मोहताज नहीं होती, आभाव भी आड़े नहीं आती बशर्ते ईमानदारी से की गई प्रयास, लगन, मेहनत व प्रोत्साहन जरूरी है। यह बात चरितार्थ की है सोनहत विकासखंड के दूरस्थ ग्राम तर्रा निवासी श्री अनिल कुर्रे व श्रीमती कलावती कुर्रे की कक्षा तीसरी में अध्ययनरत बिटिया माधुरी कुर्रे ने। जानकारी के मुताबिक कुमारी माधुरी कुर्रे के माता-पिता खेतिहर मजदूर हैं। सोनहत विकासखंड के कटगोड़ी संकुल के अंतर्गत आने वाले शासकीय प्राथमिक शाला, तर्रा में कक्षा तीसरी में पढ़ाई कर रही कुमारी माधुरी कुर्रे ने राज्यस्तरीय वर्ड पॉवर चैम्पियनशिप में तीसरा स्थान प्राप्त की है। बता दें प्रदेश के सरकारी विद्यालयों के बच्चे अब किसी से कम नहीं है। प्रदेश की विद्यालयीन शिक्षा में रटने की प्रवृत्ति से हटकर सीखने की क्षमता की गति में अद्भुत परिवर्तन आया है। वर्ड पावर चैम्पियनशिप की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रदेश के शासकीय विद्यालयों के कक्षा दूसरी से कक्षा पांचवीं तक के बच्चों ने प्रतिभागिता की।

अंतर्राज्यीय तस्कर से 75 लाख का गांजा बरामद

पिथौरा। अंतर्राज्यीय गांजा तस्कर के कब्जे से

150 किग्रा गांजा जब्त किया गया है, जिसकी कीमत कीमती 75,00,000 रुपए आंकी गई है। आरोपी के विरूद्ध थाना सिंघोडा में एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर विधिवत कार्रवाई की गई। थाना सिंघोडा एवं सायबर सेल महासमुन्द की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए ओडिसा से छत्तीसगढ़ की ओर आ रहे ट्रक क्रमांक ओडी15 डब्ल्यू 7771 को रोका। चालक से पूछताछ करने पर पहले पहल वह गोल-मोल जवाब दे रहा था, लेकिन कड़ाई से पूछताछ करने पर गाड़ी के डाला में कैरेट के नीचे गांजा रखकर ओडिसा से महाराष्ट्र ले जाना बताया। गाड़ी की तलाशी लेने पर 150 किग्रा गांजा बरामद किया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम शेषदेव नायक पिता हरा नायक निवासी बरोडामलिहा, जिला अंगुल, ओडिशा बताया। आरोपी के विरूद्ध थाना सिंघोडा में एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों के तहत विधिवत कार्रवाई की गई।

जशपुर के कोतबा में पागल डॉग का आतंक, कई को काटा

जशपुर। जशपुर के कोतबा सतीघाट धाम में पागल डॉग ने कई बच्चों को काट लिया ।बताया जा रहा है कि कोतबा के सतीघाट धाम में एक पागल कुत्ता भटकते हुए आ पहुंचा ।इससे पहले की ग्रामीण कुछ समझ पाते डॉग ने कई छोटे बच्चों को काट लिया ।इसके बाद ग्रामीण आनन-फानन में बच्चों लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे ।जहां बच्चों का प्राथमिक उपचार किया गया ।इसके बाद गुस्साएं ग्रामीणों ने पागल डॉग को मार दिया। जानकारी के मुताबिक कोतबा सतीघाट में सुबह लगभग 9 से 10 बजे के बीच पागल डॉग घुस आया। डॉग ने गांव में खेल रहे कई बच्चों को काट लिया ।इसके बाद भी डॉग नहीं रुका और कई ग्रामीणों को भी काटा। इस घटना में कई बच्चों के आंख और चेहरे में चोट आई है। घटना के बाद छह लोगों को कोतबा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया ।जिसमें दो गंभीर बच्चों को जिला अस्पताल जशपुरनगर भेजा गया है। बाकी डॉग बाइट के शिकार लोगों का इलाज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में किया जा रहा है।

महिला दिवस पर मिलिए कांकेर की महिला कमांडो से, नक्सलियों के लिए बनी काल

कांकेर। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर मीडिया कांकेर जिले के धुर नक्सल इलाकों में ऑपरेशन करने वाली बस्तर फाइटर्स से मिलने पहुंचा। घने जंगल में महिला कमांडो पूरी वर्दी में रायफल के साथ कड़ी धूप में गश्त करती मिलीं। महिला कमांडो ने बताया कि जंगल में महिलाओं की ड्यूटी आसान नहीं है लेकिन देश सेवा के जज्बे से उन्हें हिम्मत मिली है।

बस्तर फाइटर की महिला कमांडो जवानों के साथ कदम से कदम मिलाकर नक्सल प्रभावित इलाकों में घुसकर उन पर ताबड़तोड़ प्रहार कर रहीं हैं। चारामा गांव की रहने वाली महिला कमांडो कविता सिन्हा ने बताया यहां जंगल ही जंगल है। चारों तरफ पहाड़ों से घिरा हुआ क्षेत्र है। चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। लेकिन हम देश की सेवा के लिए, जनता की सेवा के लिए तत्पर रहते हैं। महिला

दिवस पर नारी सशक्तिकरण के कई कार्यक्रम हो रहे हैं। महिलाओं की सुरक्षा के लिए हम जंगल में गस्त पर निकले हैं।

बस्तर फाइटर्स कविता सिन्हा ने कहा हम महिला हैं तो थोड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कपड़े वगैरह को लेकर परेशानी होती है। कई बार एक कपड़े में रहना पड़ता है लेकिन हम देश की सेवा करने आए हैं तो जवान की तरह रहते हैं और उसी परिस्थिति में ढल जाते हैं। पुरुष जवानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर ड्यूटी कर रहे हैं।

महिला कमांडो बताती हैं, एंटी नक्सल ऑपरेशन में निकलने से पहले उच्च अधिकारी पूरी ब्रीफिंग करते हैं। कैसे निकलना है, कैसे जाना है। मूवमेंट का ध्यान रखा जाता है। बड़े ग्रुप में नहीं जाते बल्कि छोटे छोटे ग्रुप बनाकर एक निश्चित दूरी बनाकर जाते हैं। इस दौरान पुरुष जवान भी हमारे साथ रहते हैं।

महिला कमांडो सुनीता कुंजाम ने कहा जब हम जंगल में गस्त पर निकलते हैं तो घर परिवार भूल जाते हैं। हमें सिर्फ हमारे दुश्मन नजर आते हैं। घर वालों को हम पर गर्व होता है कि घर की बहू बेटी डटकर नक्सलियों से मुकाबला कर रही है।

पूरे महिला कमांडो के साथ एंटी नक्सल ऑपरेशन को एक महिला कमांडो लीड कर रही है। महिला कमांडर शशि कला साहू बताती हैं, चुनौती तो बहुत रहती है। पूरे बल को एक साथ लेकर चलना पड़ता है। सबको ब्रीफ करना होता है। कभी रास्ते में किसी की तबीयत खराब हो जाए तो उसे महिला कमांडो ही कंधे पर ढोकर ले जाती है।

शशि कला साहू ने कहा महिला कमांडो नक्सलियों के लिए काल बनी है। हम लड़ते रहेंगे। उनको लगातार चुनौती दे रहे हैं। मैं 20 साल से पुलिस विभाग में हूं और जब से भर्ती हुई है, तब से गस्त के दौरान कई बार नक्सलियों से आमना सामना हुआ। दिन में गस्त पर निकलते थे, रात को ड्यूटी करते थे। बस्तर फाइटर्स में 25 साल की वेदवती कुंजाम भी शामिल हैं। इस समय जंगल में ड्यूटी दे रही हैं। वेदवती बताती हैं, बचपन से देश की सेवा करने का सपना था। इसी सपने को पूरा करने वेदवती ने बस्तर फाइटर्स ज्वॉइन की। वेदवती कहती हैं, एंटी नक्सल ऑपरेशन में जाती हूं। बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ता है लेकिन हम देश की सेवा कर रहे हैं।

शिवलिंग के दर्शन के लिए भक्तों का लगा तांता

सुकमा। जिला मुख्यालय से करीब 07 किमी दूर तेलावर्ती गांव है जो शबरी नदी के किनारे बसा हुआ है। गांव के किनारे नदी सात धार में विभाजित है। और नदी के बीचों बीच मे शिवलिंग की स्थापना की गई है। उस शिवलिंग के दर्शन करने के लिए श्रद्धालु करीब 4 किमी पैदल चलकर और नदी के सात धार पार कर पहुंचते हैं। शबरी नदी को पार करने के लिए ग्रामीणों के द्वारा बनाई गई लकडियों के पुल का सहारा लेते हैं और कहीं कहीं जगहों पर लोग फिसलकर पानी में गिर जाते हैं, उसके बाद फिर से बाहर निकल कर शिवलिंग के दर्शन के लिए चल पड़ते हैं। जान जोखिम में डालकर भगवान शिव के दर्शन के करने नदी के बीच में शिव जी के दर्शन के लिए प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी शुक्रवार को श्रद्धालु पहुंचने लगे। सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा, अव्यवस्थाओं के बीच लकड़ी के पुल पर चलकर शिवभक्तों ने महादेव के दर्शन किए।

इस शिवलिंग को लेकर और भी कई मान्यता है लेकिन यह हकीकत है कि बारिश के दिनों में शबरी उफान पर रहती है। आलम यह रहता कि शबरी नदी का पानी जिला मुख्यालय तक पहुंच जाता है। लेकिन नदी के बीचों बीच होने के बाद भी शिवलिंग पर पानी नहीं आता। यहां के लोग यह भी बताते हुए कि सुकमा के राजा रंगाराम अपनी पत्नी व बच्चे के साथ शबरी नदी से नाव पर सवार होकर गुजर रहे थे। तभी यहां पर आवाज आई कि कोई एक यहां उतरेगा तभी यहां से नाव आगे बढ़ेगी। राजा और पत्नी आपस में बातचीत कर रहे थे तभी उनके पुत्र ने नदी में छलांग लगा दी, उसके बाद नाव आगे बढने् लगी। तभी एक आवाज आई कि आज से तुम यहां पर अपना राज्य स्थापित कर सकते हो। उसके बाद यहां पर पूजा-अर्चना शुरू हो गई।

राजेश नारा भक्त व इस शिव धाम समिति के सदस्य बताया कि रेत के टीले में महादेव की मूर्ति बनी हुई है। जहां हर साल शबरी नदी उफान पर रहती है और बाढ़ के हालात बन जाते हैं, उसके बावजूद नदी के बीचो-बीच स्थित यह शिवलिंग पानी में नहीं डूबता। यहां समिति द्वारा लकड़ी डालकर भक्तों के लिए सुगम रास्ता बनाने का प्रयास किया जाता है।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री साय का दंतेवाड़ा दौरा जनप्रतिनिधियों ने किया स्वागत

जगदलपुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव

साय के दंतेवाड़ा जिले के एक दिवसीय प्रवास पर कारली हेलीपैड आगमन के दौरान क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री साय ने इस दौरान एंटी लैंड माइन व्हीकल का अवलोकन किया, साथ ही दन्तेश्वरी फाइटर्स की महिला जवानों के साथ फोटो खिंचवाई। इस दौरान मुख्यमंत्री साय को दन्तेश्वरी फाइटर्स के तृतीय लिंग जवान रानी मंडल ने पुष्प भेंटकर स्वागत किया। इस मौके पर विधायक चैतराम अटामी, विधायक चित्रकोट विनायक गोयल तथा अन्य जनप्रतिनिधियों सहित कमिश्नर बस्तर श्याम धावड़े, आईजी बस्तर रेंज सुंदरराज पी. आयुक्त जनसम्पर्क मयंक श्रीवास्तव, कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी, पुलिस अधीक्षक गौरव राय तथा जिला प्रशासन के अधिकारीगण मौजूद थे।

भाजपा का किसान सम्मेलन केवल राजनीतिक नौटंकी और दिखावा : कांग्रेस

रायपुर। भाजपा के किसान महासम्मेलन पर

कांग्रेस ने सवाल उठाते हुए हमला बोला है। कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा, भाजपा का किसान सम्मेलन केवल राजनीतिक नौटंकी और दिखावा है। भाजपा कभी किसान हितैषी हो नहीं सकती। आगे उन्होंने कहा, बीजेपी की केंद्र सरकार दिल्ली में किसानों को रोकने सड़कों पर किल ठुकवा रही है। पानी की बौछारें और आंसू गैस के गोले छोड़ रहे हैं। भाजपा नेता किसानों को देशद्रोही कह रहे हैं। मोदी सरकार में न किसानों को फसलों के सही दाम मिल रहे हैं और न ही आमदनी दोगुनी हुई है। आगे धनंजय सिंह ने कहा, बीजेपी सरकार में किसानों की परेशानी तीन गुना बढ़ गई है। किसान भाजपा के इस चरित्र को समझ चुके हैं। ये कुछ भी कर लें किसान इस बार लोकसभा चुनाव में बदलाव लाएंगे।

विकसित भारत रणनीति कक्ष एवं नीति फॉर स्टेट्स प्लेटफॉर्म का केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने किया वर्चुअल शुभारंभ

अम्बिकापुर। केंद्रीय संचार रेलवे और

इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने गत दिवस रंग भवन सभागार आकाशवाणी नई दिल्ली में नीति आयोग के (नीति फॉर स्टेट्स) प्लेटफार्म का शुभारंभ किया। नीति आयोग का नीति का स्टेट प्लेटफार्म एक क्रॉस सेक्टरल नॉलेज प्लेटफार्म है जिसे नीति और सुशासन के लिए डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। इस प्लेटफार्म शुरुआत से पहले मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने नीति आयोग में विकसित भारत रणनीति कक्ष का भी शुभारंभ किया। नीति फॉर स्टेट्स प्लेटफार्म की महत्वपूर्ण विशेषता में 7500 श्रेष्ठ प्रथाओं का जीवंत भंडार और 5000 नीति दस्तावेज, 900 से अधिक डाटा सेट, 1400 उत्तर प्रोफाइल और 350 नीति प्रकाशन रणनीति सहित 10 क्षेत्र के ज्ञान उत्पाद शामिल है। इस कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से 500 आकांक्षी ब्लॉक के अधिकारीगण जुड़े। कलेक्टर श्री विलास भोस्कर के मार्गदर्शन में जिले के कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित एनआईसी कक्ष से आकांक्षी ब्लॉक लखनपुर के जनपद सीईओ श्री वेद प्रकाश पाण्डेय व विकासखंड के स्वास्थ्य, शिक्षा, आईसीडीएस, जलसंसाधन, कृषि, मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास एवं आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम फेलो उपस्थित रहे।

भाजपा नेताओं की हत्या अत्यंत गंभीर, टारगेट किलिंग छोटा-बड़ा नहीं होता: केदार

मोदी की गारंटी 100 दिन में पूरा करने का संकल्प, हर वादा करेंगे पूरा

जगदलपुर। वन मंत्री केदार कश्यप ने नक्सली घटनाओं में लगातार भाजपा नेताओं की हो रही हत्या को अत्यंत गंभीर बताते हुये कहा कि इस तरह की घटना न हो यह कोशिश रहेगी। टारगेट किलिंग कोई छोटा-बड़ा नहीं होता, सभी एक बराबर होते हैं। हमारे बड़े नेताओं ने अपनी कुर्बानी दी है। कश्यप ने प्रदेश भाजपा सरकार की योजनाओं पर कहा कि हमने जनता से जो वादा किया था उसको पूरा कर रहे हैं, मोदीजी की हर गारंटी पूरी होगी। मंत्री केदार कश्यप ने पीसीसी चीफ दीपक बैज के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि पहले कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अपना कुनबा ही संभाल लें। लोकसभा चुनाव में निश्चित पराजय से भयभीत हो कर वो तय नहीं कर पा रहे हैं कि बलि का बकरा किसे बनाया जाये।

महतारी वंदन और कई योजना जारी करने सहित अग्रिम रणनीति को लेकर मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि ये चुनावी

रणनीति नहीं है। लोगों को जो वादा किया था, गारंटी दी थी उस संकल्प को पूरा करने तय किया है। चाहे महतारी वंदन हो या किसान भाइयों को 3100 का भुगतान हो। ये संकल्प हम 100 दिनों के अंदर पूरा कर रहे हैं, कांग्रेस तो चुनावी रण से बाहर है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के बयान पर केदार कश्यप ने कहा कि नाराजगी किसके साथ में है, क्या है? यह दीपक बैज बता पाएंगे, वो अपना कुनबा नहीं संभाल पा रहे हैं। कवासी लकमा, मोहन मरकाम को नहीं संभाल पा रहे हैं। वो तय नहीं कर पा रहे हैं कि बलि का बकरा किसको बनाया जाए।

नक्सली घटना को लेकर मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि अभी जो घटना घटी है, वह दुखद है। इस तरह की घटना न हो ये कोशिश रहेगी। इन सब की चिंता की जा रही है। जहां लगता है कोई टारगेट किलिंग स्थिति है। जैसे पखांजूर में घटना घटी और दोषी सामने आया है। उसकी जांच कार्रवाई की जाएगी। टारगेट कोई छोटा बड़ा नहीं होता सभी एक बराबर होते हैं, हमारे बड़े नेताओं ने अपनी कुर्बानी दी है। कांग्रेस के प्रदर्शन को लेकर मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि कांग्रेस ने जिस तरीके से 5 वर्ष में लूटने का काम किया और लूट-खसोट करते हुये प्रदेश को चलाया है। भाजपा लोकतांत्रिक पार्टी है, कार्यकर्ताओं की पार्टी है और कार्यकर्ता ही पार्टी चलाते हैं।

भाजपा के 9 पदाधिकारियों को जेड श्रेणी की सुरक्षा देने अमित शाह को लिखा पत्र

बीजापुर। नक्सल प्रभावित इलाकों में लगातार हो रही भाजपा नेताओं की हत्या थम नहीं रही है, इन हत्या की वारदातों से भाजपा नेताओं में भय का माहौल है। इस बीच भाजपा बीजापुर जिला अध्यक्ष श्रीनिवास मुदलियार ने देश के गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है। पत्र में नक्सलियों के निशाने पर रहने वाले भाजपा के 9 पदाधिकारियों जिला अध्यक्ष श्रीनिवास मुदलियार, जिला उपाध्यक्ष लव कुमार रायडू, जिलाध्यक्ष युवा मोर्चा बलदेव उरया, जिला मंत्री हरीश निषाद, जिलध्यक्ष किसान मोर्चा धनीराम नाग, जिला मंत्री जागर लक्ष्मैय्या, प्रदेश कार्य समिति के सदस्य युवामोर्चा फूलचंद गागड़ा, महामंत्री युवा मोर्चा बिलाल खान एवं जिला प्रभारी सोशल मीडिया, युवा मोर्चा ज्ञानदीप बघेल को जेड श्रेणी स्थाई सुरक्षा देने की मांग की गई है। केंद्रिय गृहमंत्री अमित शाह को लिखे पत्र में कहा गया है कि बीजापुर जिला घोर नक्सल प्रभावित क्षेत्र होने के चलते भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं को हमेशा मौत का भय बना रहता है क्योंकि लगातार नक्सली एक-एक कर भाजपा के नेताओं को बेरहमी से हत्या कर रहे हैं। इस खतरे को देखते हुए विधानसभा चुनाव के दौरान एक्स श्रेणी केन्द्रिय सुरक्षा दिया गया था जो कि अस्थाई था, जिसे चुनाव बाद सुरक्षा वापस लिया गया तब से खतरा और बढ़ गया है। बीते शनिवार को फिर एक बार भाजपा नेता को बेरहमी से नक्सलियों ने हत्या की है। जिसके बाद भाजपा पदाधिकारियों में भय का वातावरण निर्मित हुआ है। कई नेता लगातार नक्सलियों के निशाने पर है, वे आज भी रात्रि में अपना ठिकना बदल-बदलकर रह रहे हैं। जिसको लेकर गृहमंत्री अमित शाह से जेड श्रेणी स्थाई सुरक्षा देने की मांग की की गई है।

महिला दिवस पर सीएम साय का बस्तर फाइटर्स और दंतेश्वरी फाइटर्स की महिलाओं से सीधा संवाद

दंतेवाड़ा। शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस था। इस मौके पर छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने दंतेवाड़ा में बस्तर फाइटर्स और दंतेश्वरी फाइटर्स से मुलाकात की। इस दौरान सीएम ने दंतेवाड़ा में एंटी लैंड माईन व्हीकल का अवलोकन किया। साथ ही दंतेश्वरी फाइटर्स की महिला जवानों के साथ फोटो खिंचवाई। इसके बाद सीएम ने बस्टर फाइटर्स और दंतेश्वरी फाइटर्स के साथ सीधा संवाद किया। साथ ही सभी को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई दी।

दरअसल, सीएम साय अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए दंतेवाड़ा पहुंचे। मुख्यमंत्री साय ने दंतेवाड़ा के जावंगा स्थित ऑडिटोरियम में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर आयोजित बस्तर फाइटर्स और दंतेश्वरी फाइटर्स की महिलाओं और स्कूली बच्चों से संवाद कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान महिला जवानों ने सीएम से सीधे संवाद में अपने सफर का अनुभव बताया। साथ ही सीएम साय ने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि पिछली सरकार ने प्रदेश का खजाना खाली कर दिया है। हालांकि हमारी सरकार मोदी की गारंटी पर काम करेगी। इस बीच सीएम साय ने 10 मार्च को महतारी वंदन की राशि महिलाओं के खाते में ट्रांसफर होने की बात कही।

इस दौरान सीएम ने कहा कि, बस्तर की महिला फाइटर्स और दंतेश्वरी फाइटर्स को क्षेत्र में सुरक्षा पर तैनात रहने के लिए धन्यवाद कहा। साथ ही कई महिला जवानों से बातचीत की। इस दौरान महिला जवानों ने भी अपना अनुभव बताया। इस बीच मुख्यमंत्री साय ने दंतेश?वरी फाइटर्स के थर्ड जेंडर जवान रानी मंडल से हाथ मिलाया।महिला दिवस को मौके पर सीएम ने नारी के महत्व को बताया। साथ ही नारी की तुलना मां दुर्गा से की।

दंतेवाड़ा पहुंचे मुख्यमंत्री साय ने किया बस्तर की आराध्य देवी माँ दंतेश्वरी की पूजा-अर्चना

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर एक दिवसीय दंतेवाड़ा प्रवास पर पहुंचे। यहां उन्होंने सम्पूर्ण विधि-विधान से बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी की पूजा-अर्चना की और प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

इस मौके पर विधायक श्री चैतराम अटामी, विधायक चित्रकोट श्री विनायक गोयल तथा अन्य जनप्रतिनिधियों सहित कमिश्नर बस्तर श्री श्याम धावड़े, आईजी बस्तर रेंज श्री सुंदरराज पी., आयुक्त जनसम्पर्क श्री मयंक श्रीवास्तव, कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी,पुलिस अधीक्षक श्री गौरव राय, जिला पंचायत सीईओ श्री कुमार बिश्वरंजन तथा जिला प्रशासन के अधिकारीगण मौजूद थे।

प्रतिनियुक्ति से लौटे दो अफसरों को मिली अस्थायी नियुक्ति

रायपुर। केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से वापस लौटे भारतीय प्रशासनिक सेवा के दो अफसरों की अस्थायी तौर पर नियुक्ति के आदेश शुक्रवार को शासन द्वारा जारी किए गए। राज्य शासन द्वारा भारतीय प्रशासनिक सेवा 2003 काडर के अविनाश को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से वापस लौटने पर राज्य सवर्ग में कार्यभार ग्रहण करने पर अस्थायी रूप से आगामी आदेश पर्यन्त सचिव, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन तथा पुनर्वास विभाग के पद पर पदस्थ करते हुए पदेन राहत एवं पुनर्वास आयुक्त तथा आयुक्त, भू-अभिलेख का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

इसी प्रकार से भारतीय प्रशासनिक सेवा 2005 काडर के मुकेश कुमार को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से वापस लौटने पर राज्य सवर्ग में कार्यभार ग्रहण करने पर अस्थायी रूप से आगामी आदेश पर्यन्त सचिव, वित्त विभाग के पद पर पदस्थ करते हुए सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग, सचिव, वाणिज्यिक कर (आबकारी एवं पंजीयन को छोड़कर) तथा अध्यक्ष, पेंशन निराकरण समिति का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। मुकेश कुमार, भा.प्र.से. द्वारा सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग का कार्यभार ग्रहण करने पर, डॉ. कमलप्रीत सिंह, भा.प्र.से. (2002), सचिव, लोक निर्माण विभाग तथा अतिरिक्त प्रभार सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग एवं प्रबंध संचालक, छ.ग. रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्पोरेशन केवल सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त होंगे। मुकेश कुमार, भा.प्र.से. द्वारा सचिव, वाणिज्यिक कर (आबकारी एवं पंजीयन को छोड़कर) विभाग का कार्यभार ग्रहण करने पर, श्री हिमशिखर गुप्ता, भा.प्र.से. (2007) सचिव, खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा अतिरिक्त प्रभार सचिव, वाणिज्यिक कर (आबकारी एवं पंजीयन को छोड़कर) विभाग केवल सचिव, वाणिज्यिक कर (आबकारी एवं पंजीयन को छोड़कर) विभाग के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त होंगे।

अंकित आनंद, भा.प्र.से. (2006), सचिव, वित्त विभाग तथा अतिरिक्त प्रभार, अध्यक्ष, पेंशन निराकरण समिति, सचिव, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग, सचिव, बीस सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन विभाग को अस्थायी रूप से आगामी आदेश पर्यन्त सचिव, वाणिज्य एवं उद्योग तथा सार्वजनिक उपक्रम विभाग के पद पर पदस्थ करते हुए सचिव, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग तथा सचिव, बीस सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपता है। भुवनेश यादव, भा.प्र.से. (2006), सचिव, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग को अस्थायी रूप से आगामी आदेश पर्यन्त सचिव, मंत्रालय के पद पर पदस्थ किया गया है। मोहम्मद कैसर अब्दुलहक, भा.प्र.से. (2007), सचिव, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग तथा अतिरिक्त प्रभार सचिव, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को अस्थायी रूप से आगामी आदेश पर्यन्त सचिव, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग का पद सौंपा गया है।

छत्तीसगढ़ ऑल आर्टिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन ने सरकार से फिल्म नीति बनाने की मांग

रायपुर। छत्तीसगढ़ ऑल आर्टिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन कावा का सम्मेलन महाराष्ट्र मंडल रायपुर में उत्साह और उमंग के साथ संपन्न संपन्न हुआ। छत्तीसगढ़ की नई पालनहारी विष्णु देव सरकार से कलाकारों को बड़ी उम्मीदें हैं ,इन्हीं आशाओं के साथ पांच सूत्री मांग जिसमें सबसे पहले नई फिल्म नीति का निर्माण ,कलाकारों के लिए कल्याण बोर्ड का गठन ,फिल्म सिटी फिल्म स्टूडियो का निर्माण, फ़िल्म अकादमी की स्थापना सहित पांच सूत्री मांग को लेकर ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम का पठन किया गया और यह ज्ञापन मुख्यमंत्री को प्रेषित किया जा रहा है।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी फिल्म भूख मया के जिसका प्रदर्शन 15 मार्च से सभी थिएटर में होने वाला है के निर्माता अनिल पांडे, गगन पांडे ,निर्देशक शरीफ हसन रिजवी कलाकार उपासना वैष्णव सहित कई लोग शामिल हुए व फिल्म का प्रमोशन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाराष्ट्र मंडल के अध्यक्ष अजय काले थे वहीं अध्यक्षता डॉ अजय सहाय चेयरमैन कावा ने की। विशेष अतिथि के रूप में साहित्यकार व बलिदानी राजा गुरु बालक दास के निर्माता डॉ जे आर सोनी ,अभिनेता ओम त्रिपाठी एम डी फिल्म के दिनेश साहू ,हरिओम फिल्म के डॉक्टर पुनीत सोनकर ,कावा के उपाध्यक्ष विकेश ऊके व अध्यक्ष तपेश जैन विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम में 50 से भी ज्यादा कलाकारों का सम्मान छत्तीसगढ़ी फिल्म भूख मया के स्मृति चिन्ह से किया गया। समारोह में आशीष जैन, नेहा पटेल, अनुराधा यदु ठेठवार, भूमि साहू, खुशी जैन, सायरा खान, जानकी गुप्ता, सुनीता पाठक, सिंगर अलका मिश्रा बाल गायिका महिमा सिंह, बाल फोटोग्राफर तन्मय जैन, मनोज राजपूत, चंद्र प्रकाश सोनी, विक्की सिंह टार्जन, संतोष वर्मा, सिंगर मीरा त्रिपाठी, डॉ नीना शर्मा आदि उपस्थित थे।

महाशिवरात्रि पर महादेवघाट में उमड़ी भीड़

यहां बजरंग बली ने रखा था शिवलिंग, लगे हर-हर महादेव के जयकारे

रायपुर। महाशिवरात्रि पर रायपुर समेत प्रदेश के शिव मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी हुई है। सुबह 5 बजे से ही लोगों की लंबी-लंबी कतारें लगी हुई हैं। राजधानी के पूरे शिवालय हर-हर महादेव की जयघोष से गूंज रहे हैं। रायपुर के महादेवघाट स्थित हटकेश्वरनाथ मंदिर में भारी संख्या में शिवभक्तों की भीड़ उमड़ी। इस दौरान भगवान हटकेश्वरनाथ महादेव की मंत्रोच्चारण के बीच विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। मंदिर परिसर में धूमधाम से भगवान शिव की बारात निकाली गई। यह बारात शहर के चौक-चौराहों होते हुए वापस शाम को मंदिर पहुंचेंगी। इसके बाद विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाएगी।

हरिद्वार के लक्ष्मण झूला की तर्ज पर यहां बने लक्ष्मण झूला और खारून नदी में नाव की सवारी आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। पास में बने गॉर्डन यहां की खूबसूरती में चार चांद लगाते हैं। रायपुर सहित अन्य जिलों के सैलानी यहां बड़ी संख्या पहुंचकर इसका आनंद लेते हैं। शहर की जीवनदायिनी नदी

खारुन तट पर स्थित ऐतिहासिक हटकेश्वरनाथ मंदिर का विशेष महत्व है।

कल्चुरी शासनकाल में हुआ था निर्माण

1402 ई में कल्चुरी वंश के राजा रामचंद्र के पुत्र ब्रह्मदेव राय के शासन काल में हाजीराज नाइक ने मंदिर का निर्माण करवाया था। ऐसी मान्यता है कि यहां नंदी महाराज के कानों में जो भक्त फरियाद या मन्नत मांगते हैं, उसकी भगवान शिव मुरादें जरूर पूरी करते हैं। सावन के महीने में यहां रायपुर और प्रदेश के कोने-कोने से लोग पहुंचते हैं। छत्तीसगढ़ के कई जिलों से श्रद्धालु कांवर लेकर पहुंचते हैं। हर साल कांवर पदयात्रा भी निकाली जाती है।

ये है धार्मिक मान्यता

धार्मिक मान्यताओं और पुराणों के अनुसार, जहां भगवान श्रीराम लंका पर चढ़ाई के लिए रामेश्वरम में समुंद्र पर पुल बनाने की योजना बनाई तो उस समय बजरंग बली को शिवलिंग लाने के लिए कहा गया था। इस पर बजरंग बली शिवलिंग लाने गए। इस दौरान शिवलिंग लाने में काफी देर हुई, तो भगवान राम ने रामेश्वरम में रेत से ही विधि-विधान से पूजा अर्चना कर शिवलिंग की स्थापना कर दी थी। बजरंग बली को किसी नदी के किनारे उस शिवलिंग को रखने के लिए कहा गया। कहा जाता है कि भगवान हनुमान ने रायपुर में खारून नदी के तट पर शिवलिंग रखकर चले गए, जो कालांतर में हटकेश्वर नाथ, महादेव घाट के नाम से विख्यात हुआ।

10 को मिलेगी महतारी वंदन योजना की पहली किस्त

■ प्रधानमंत्री मोदी वर्चुअल जारी करेंगे

रायपुर। महतारी वंदन योजना को लेकर महिलाओं के लिए अच्छी खबर है। सालाना 12 हजार यानी हर महीने एक हजार रुपए मिलने की उम्मीद लगाई महिलाओं के इंतजार की घड़ियां खत्म होने वाली है। उनके हाथ में जल्द पैसा होगा। दरअसल 10 मार्च को महतारी वंदन योजना की पहली किस्त जारी की जाएगी। 70 लाख से ज्यादा महिलाओं के खाते में इस दिन एक-एक हजार रुपए जारी किया जाएगा। इस संबंध में मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी गई है। ट्वीट कर लिखा कि महतारी वंदन योजना की राशि 10 मार्च 2024 को की जाएगी हस्तांतरित। प्रदेश की 70 लाख से अधिक महिलाओं को मिलेगा लाभ।

इससे पहले शासन स्तर पर 1 मार्च को महतारी वंदन योजना की पहली किस्त जारी

करने की बात कही गई थी। इसके बाद महिला दिवस पर 8 मार्च को जारी करने की बात कही गई और अब 10 मार्च को जारी करने की घोषणा की गई है। पीएम नरेंद्र मोदी वर्चुअली माध्यम से विवाहित महिलाओं के खाते में डीबीटी के जरिए राशि ट्रांसफर करेंगे।

नई तारीख की घोषणा होते ही अब शासन स्तर पर पीएम नरेंद्र मोदी की सभा को लेकर साइंस कॉलेज मैदान रायपुर में तैयारियां शुरू हो गई हैं। यह आयोजन रायपुर समेत जिला, ब्लॉक मुख्यालयों, नगरीय निकायों में महिला सम्मलेन के जरिए महतारी वंदन योजना की राशि जारी की जाएगी। इस दौरान पीएम मोदी हितग्राहियों से वर्चुअली बातचीत भी करेंगे। रायपुर में होने वाले कार्यक्रम में सीएम विष्णुदेव साय शामिल होंगे।

इस योजना का लाभ प्रदेश के 70 लाख 14 हजार 581 महिलाओं को मिलेगा। महतारी वंदन योजना का लाभ लेने के लिए कुल 70 लाख 26 हजार 352 महिलाओं ने आवेदन किए थे, लेकिन गलत जानकारी या गलत दस्तावेज की वजह से 11 हजार 771 आवेदन रिजेक्ट कर दिए गए हैं। महतारी वंदन योजना की पात्र महिलाओं की अंतिम सूची जारी कर दी गई है। महिला सशक्तिकरण की दिशा में आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनने के लिए महतारी वंदन योजना एक कारगर कदम है। प्रदेश की महिलाओं के स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा इस योजना की शुरूआत की गई है। गांव से लेकर शहर तक महिलाओ में जबरदस्त उत्साह देखा गया। महिलाओं को इस योजना से प्रतिमाह 1000 रूपए की राशि दी जाएगी।

कार्यालय अधीक्षक
जिला जेल महासमुन्द (छ.ग.)

== निविदा सूचना == 'प्रथम'
वार्षिक /अर्द्धवार्षिक ठेका वर्ष 2024-25

निविदा विज्ञप्ति क्रमांक 4219/निर्वाह/2024 महासमुंद, दिनांक 21/02/2024

जिला जेल महासमुन्द में परिरूद्ध बंदियों की भोजन व्यवस्था हेतु सब्जियां, खाद्यान्न एवं अन्य आवश्यक सामाग्रियां क्रय करने के लिए वर्ष 2024-24 हेतु मुहर बंद निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र एवं निविदा से संबंधित पूर्ण जानकारी अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत कर (आयकर प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड सहित) रूपये 2000/- (दो हजार) नगद भुगतान कर कार्यालयीन दिवस में प्राप्त किये जा सकते हैं या विभागीय वेबसाईट http://jail.cg.gov.in से भी प्राप्त किया जा सकता है, बशर्ते निविदा प्रपत्र जमा करने के पूर्व आवेदन शुल्क कार्यालय में जमा करना होगा।

निविदा बिक्री की अंतिम तिथि:- 26.03.2024 समय अपरान्ह 01:00 बजे तक।
निविदाएं जमा करने की अंतिम तिथि:- 27.03.2024 समय अपरान्ह 03:00 बजे तक।
निविदा खोलने की तिथि:- 27.03.2024 समय अपरान्ह 04:00 बजे तक।
स्थान:- जिला जेल महासमुन्द

जी-08402/5
जेल अधीक्षक
जिला जेल महासमुन्द (छ.ग.)

कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी
जिला गरियाबंद (छ.ग.)

// निविदा सूचना//

क्रमांक /CSMCL /2024/124 गरियाबंद, दिनांक 06/03/2024

गरियाबंद जिले में स्थित 06 देशी, 02 कम्पोजिट एवं 07 विदेशी मदिरा दुकानों में वित्तीय वर्ष 2023-24 अर्थात 01.04.2024 से 31.03.2025 की अवधि में संग्रहित खाली कार्टन (पुटठा) का विक्रय किया जाना है। खाली कार्टून का प्रति किलो ग्राम की दर से इच्छुक निविदाकारों से सीलबंद निविदाएं (तकनीकी बिड/प्राईज बिड पृथक-पृथक) दिनांक 21.03.2024 अपरान्ह 2:00 बजे तक कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी सह जिला प्रबंधक, छत्तीसगढ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिटेड जिला गरियाबंद में आमंत्रित की जाती है। सीलबंद प्राप्त निविदाएं उपस्थित निविदाकारों के समक्ष दिनांक 21.03.2024 को अपरान्ह 04:00 बजे निविदा समिति द्वारा खोली जावेगी। निविदा की शर्तें / नियम, निविदा प्रपत्र तथा मदिरा दुकानों की अवस्थिति आदि की विस्तृत जानकारी अवकाश के दिवसों को छोड़कर निविदा प्रस्तुत करने के निर्धारित अंतिम तिथि के एक दिवस पूर्व तक कार्यालयीन समय पर खाली कार्टून निविदा फार्म 1000/- की दर से कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी सह जिला प्रबंधक, छत्तीसगढ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिटेड, कार्यालय संयुक्त कलेक्टोरेट परिसर (जिला आबकारी अधिकारी गरियाबद कक्ष कमांक 81) से प्राप्त की जा सकती है।

जी-08387/3
जिला आबकारी अधिकारी
सह जिला प्रबंधक सीएसएमसीएल
जिला-गरियाबंद (छ.ग.)

चीन-पाकिस्तान के निशाने पर रामलला की अयोध्या नगरी!

अभिनय आकाश

देश जब राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का इतंजार कर रहा था तब साइबर अपराधी इस आयोजन को बाधित करने की कोशिश में लगे थे। लेकिन सरकारी एजेंसियों की सक्रियता के आगे उनके इरादे नाकाम रहे। जिस वक्त पूरे देश की नजरें अयोध्या पर थी। 100 करोड़ हिंदू और विदेश में बैठे लाखों राम भक्त भगवान की भक्ति में लीन थे। उस वक्त चीन और पाकिस्तान में इस कार्यक्रम के खिलाफ खतरनाक साजिश रची जा रही थी। ये साजिश कुछ-कुछ आतंकी हमले जैसे थी लेकिन हमारे देश के साइबर वीरों ने इन हमलों को बार-बार नाकाम किया। 22 जनवरी ही वो दिन था जब खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्राण प्रतिष्ठा के लिए अयोध्या पहुंचे थे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कई दिनों से भव्य तैयारी चल रही थी। लेकिन कुछ मिलाकर 15 मिनट में पांच करोड़ से ज्यादा बार बेवसाइटों को हैक करने की कोशिश की गई थी। अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा से ठीक पहले चीन और पाकिस्तान ने साथ मिलकर साजिश रची थी। चीन और पाकिस्तान के हैकर्स भारतीय वेबसाइट को निशाना बना रहे थे। इस बात का खुलासा भारतीय अखबार इकनॉमिक टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में किया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि हैकर्स ने राम मंदिर, प्रसार भारती और यूपी सरकार से जुड़ी कई वेबसाइट को हैक करने की कोशिश की थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का टेलीकॉम ऑपरेशन सेंटर यानी टीएसओसी प्राण प्रतिष्ठा से पहले करीब 200 वेबसाइट पर नजर रख रहा था। इसमें राम मंदिर, प्रसार भारती, यूपी पुलिस, एयरपोर्ट, यूपी टूरिज्म समेत कई वेबसाइट शामिल हैं। इस दौरान टीएसओसी को करीब 140 आईपी एड्रेस ऐसे मिले थे जो राम मंदिर और प्रसार भारती वेबसाइट को टारगेट कर रहे थे। रिपोर्ट के मुताबिक 21 जनवरी को पाकिस्तान और चीन की तरफ से साइबर क्राइम की कोशिशें तेज हो गई थी। इस दौरान करीब 1244 आईपी एड्रेस ब्लॉक कर दिए गए थे। इनमें से 999 चीन के थे जबकि बाकी पाकिस्तान, हॉगकांग और कंबोडिया के थे। इसके अलावा कुछ आईपी एड्रेस भारत के ही थे। जिनके खिलाफ जरूरी कार्रवाई की गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक एक भारतीय अधिकारी ने बताया है कि इन साइबर हमलों का सामना देश में बनी तकनीक के जरिए किया गया है। इस तरह के अटैक को रोकने के लिए टेलीकॉम सिक्योरिटी ऑपरेशन सेंटर (टीएसओसी) किसी भी साइबर हमले को रोकने के लिए राम मंदिर, प्रसार भारती, यूपी पुलिस, हवाई अड्डे, यूपी पर्यटन और पावर ग्रिड सहित लगभग 264 वेबसाइटों की निगरानी कर रहा था। ये निगरानी चौबीसों घंटे चल रही थी। इस दौरान ये देखा गया कि लगभग 140 आईपी एड्रेस राम मंदिर और प्रसार भारती वेबसाइट को टारगेट कर रहे थे। आईपी की पहचान के बाद एजेंसी की तरफ से इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडरों से इनका एक्सेस बंद करने के लिए कहा गया। इन आईपी एड्रेस को ब्लॉक करने के बाद भी देखा गया कि 21 जनवरी को इन देशों से दुर्भावनापूर्ण गतिविधियां बढ़ गई। इसके बाद और आईपी एड्रेस ब्लॉक किए गए। आपको बता दें कि कुल 1244 आईपी एड्रेस को ब्लॉक करने के बाद हमले कम हुए। इसके साथ ही साइबर हमले से डिजिटल संपत्तियों को सुरक्षित रखने के अलावा डीओटी ने डिजिटल डेटा का उपयोग करके भीड़ प्रबंधन का भी ध्यान रखा था। इससे पहले जी20 समिट के दौरान भी भारत के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की रक्षा के लिए इन तकनीकों का इस्तेमाल किया गया था। जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान सरकारी वेबसाइट को हैक करने के लिए हर मिनट 16 लाख साइबर अटैक किए गए थे। साइबर क्रिमनल अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो पाए थे। गृह मंत्रालय के अधीन काम करने वाले इंडियन साइबर क्राइम को-ऑर्डिनेशन सेंटर (14सी) ने जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान हर मिनट 16 लाख डिस्ट्रब्यूटेड डिनायल-ऑफ-सर्विस (डीडीओएस) हमले हुए। मगर, हैकर किसी भी वेबसाइट को निशाना नहीं बना पाए।

लालू का परिवार बनाम मोदी का परिवार

संजय तिवारी

पटना की रैली में लालू प्रसाद यादव ने अपने पुराने तरीके से राजनीतिक वापसी की। अपने तीखे और चुटीले भाषण के लिए विख्यात लालू प्रसाद यादव ने मोदी के परिवार पर सवाल उठाया तो पूरी भाजपा बचाव में उतर आयी। मोदी के बचाव में भाजपा ने मोदी का परिवार कैम्पेन ही शुरु कर दिया। लेकिन सवाल यह है कि लालू प्रसाद यादव ने जो सवाल उठाया है क्या वह पूरी तरह से गैर जरूरी है? पटना की रैली में लालू यादव ने मां के स्वर्गवास पर मोदी द्वारा मुंडन न कराने का भी सवाल उठाया और कहा था कि मोदी तो हिन्दू भी नहीं है।

लालू के सवाल को बीजेपी ने कितनी गंभीरता से लिया है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि तत्काल बीजेपी की ओर से पूरा देश मोदी का परिवार का नारा चला दिया गया। हर प्रदेश से मोदी का जुड़ाव पैदा करने के लिए एआई की मदद लेकर इस बार उस प्रदेश की भाषा में ही मोदी का भाषण सोशल मीडिया पर उपलब्ध होगा। इसके साथ ही अलग अलग भाषाओं में नरेन्द्र मोदी का सोशल मीडिया अकाउण्ट बनाया गया है जहां उसी भाषा में सूचना दी जाएगी।

निश्चित रूप से चुनाव की घोषणा होने के ठीक पहले लालू प्रसाद यादव ने परिवार का सवाल उठाकर नरेन्द्र मोदी को एक बड़ा हथियार दे दिया है। अब वो इसी हथियार को पूरे विपक्ष की ओर चलायेंगे और पूरा कैम्पेन इस दिशा में ले जाएंगे कि पूरा देश ही मोदी का परिवार है। देश का हर नागरिक उनके परिवार का हिस्सा है। पटना में 5 मार्च को मौजूद निर्मला सीतारामन ने इसका इशारा भी कर दिया।

लेकिन लालू प्रसाद यादव ने जो सवाल उठाया है वह कहीं असर ही नहीं करेगा, ऐसा भी नहीं है। भारत में जो राजनेता शीर्ष पर बैठे होते हैं उनका निजी जीवन सार्वजनिक चर्चा का विषय बनता ही है। फिर वो प्रधानमंत्री हों, मुख्यमंत्री हों या ऐसे ही किसी अन्य महत्वपूर्ण पद पर बैठे कोई अन्य राजनेता। उनका निजी जीवन उनका निजी नहीं रह जाता। उनके निजी जीवन के आधार पर ही उनकी सार्वजनिक छवि का निर्माण होता है।

मोदी से सीधे तौर पर सवाल पूछने की हिम्मत तो किसी की नहीं है लेकिन अटल बिहारी वाजपेयी से तो एक पत्रकार द्वारा सीधे पूछ ही लिया गया था कि क्या आप ब्रह्मचारी हैं? इस पर हाजिर जवाब अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि वो अविवाहित हैं लेकिन ब्रह्मचारी नहीं। इसी तरह एक और टीवी प्रोग्राम में उस समय के एक चर्चित पत्रकार ने जब उनसे यह पूछा कि अटल जी अपने निजी जीवन के प्रेम प्रसंग के बारे में कुछ बताइये। तब एक बार फिर हाजिर जवाब अटल जी यह कहते हुए बच निकले थे कि निजी जीवन की चर्चा सार्वजनिक मंचों पर नहीं की जाती।

पटना की रैली में लालू यादव ने मां के स्वर्गवास पर मोदी द्वारा मुंडन न कराने का भी सवाल उठाया और कहा था कि मोदी तो हिन्दू भी नहीं है। निश्चित रूप से चुनाव की घोषणा होने के ठीक पहले लालू प्रसाद यादव ने परिवार का सवाल उठाकर नरेन्द्र मोदी को एक बड़ा हथियार दे दिया है। अब वो इसी हथियार को पूरे विपक्ष की ओर चलायेंगे और पूरा कैम्पेन इस दिशा में ले जाएंगे कि पूरा देश ही मोदी का परिवार है।

यह तो हाजिर जवाब अटल जी थे जो ऐसे मारक प्रश्नों का भी मुस्कुरानेवाला जवाब दे देते थे लेकिन मोदी के सामने अव्वल तो ऐसे प्रश्न आते नहीं और आते भी हैं तो वो उसका राजनीतिक प्रतिप्रश्न पैदा करते हैं। याद करिए 2014 का चुनाव। उस समय मोदी की पत्नी श्रीमती यशोदाबेन की बहुत चर्चा उछाली गयी थी। लेकिन न तो तब और न ही अब। मोदी ने इस प्रश्न को कभी अपने तक पहुंचने नहीं दिया। उन्होंने इस प्रश्न को लेकर मौन साध लिया और शायद यही मौन उनका आखिरी जवाब है।

यह बात सही है कि मोदी के अपने निजी प्रशंसकों की बड़ी फौज है जो उनको अपने परिवार का ही सदस्य मानते हैं। हमारे यहां शास्त्र भी कहते ही हैं कि उदारचरितानाम् तु वसुधैव कुटुम्बकम। अर्थात जो उदार चरित्र वाले लोग हैं उनके लिए संपूर्ण पृथ्वी उनका परिवार है। लेकिन इस परिवार का अर्थ यह नहीं कि आपके जैविक परिवार का कोई अर्थ नहीं रह जाता। भारतीय संविधान भले ही परिवार के अस्तित्व को स्वीकार न करे और उसकी जगह सिर्फ व्यक्ति को मान्यता देता हो लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि भारत परिवार व्यवस्था के बाहर चला गया है।

परिवार व्यवस्था भारतीय समाज संरचना का आधार है। व्यक्तियों का परिवार, परिवारों का कुल, कुलों का समूह जाति और जातियों का समूह मिलकर भारतीय समाज की संरचना करते हैं। भारत की इस सामाजिक संरचना से अगर जैविक परिवार को ही निकाल दिया जाए तो पूरी भारतीय सामाजिक संरचना भरभराकर गिर जाती है। इसलिए लालू ने मोदी के जिस परिवार पर सवाल किया है उसको राजनीतिक बयानबाजी करके ही नहीं मिटाया जा सकता। जो मोदी के समर्थक हैं या नहीं हैं, उनके मन में यह सवाल जरूर हलचल पैदा करेगा कि मां के मरने पर भी मोदी ने मुंडन क्यों नहीं करवाया?

स्वयं नरेन्द्र मोदी भारतीय राजनीति के जिस परिवारवाद पर प्रहार करते हैं तो उनका आशय डाइनेस्टी पालिटिक्स से होता है। मतलब एक ही परिवार में सत्ता सिमटकर नहीं रहनी चाहिए जैसे लालू यादव के परिवार में सिमटी हुई है। मोदी की इस बात से कोई असहमत भी नहीं हो सकता कि लोकतंत्र में रजवाड़ा सिस्टम नहीं लगाया जा सकता। लेकिन उनकी अपनी पार्टी में ही जब नेताओं के पुत्र पुत्रियों को टिकट मिलता है तो वो उसका ठीक से बचाव नहीं कर पाते।

अभी संसद के आखिरी सत्र में भी वो इस परिवारवाद पर बोल रहे थे लेकिन वो इस सवाल का ठीक से बचाव नहीं कर पाये कि उनकी पार्टी में नेता पुत्रों को टिकट क्यों दिया जाता है। तब उन्होंने यह कहा कि वो प्रतिभावान नेताओं को सिर्फ इसलिए किनारे करने के पक्षधर नहीं हैं कि उसका संबंध किसी नेता के परिवार से है। यह तर्क कुछ ऐसा ही है जैसे स्वर्गीय बाल ठाकरे ने अपनी अंतिम दशहरा रैली में उद्धव के बेटे आदित्य ठाकरे को उत्तराधिकारी घोषित करते हुए दिया था। जीवनभर नेहरु गांधी वंश के परिवारवाद को कोसने वाले बाल ठाकरे हों या नरेन्द्र मोदी। उनके कहने का आशय सिर्फ इतना होता है कि मेरी पार्टी का परिवारवाद अच्छा, दूसरों का बुरा।

अब सवाल यह है कि क्या आखिरकार रजवाड़ों को खत्म करनेवाला लोकतंत्र पुनः परिवारवादी रजवाड़ों में परिवर्तित हो जाएगा या फिर नये लोगों को राजनीति में जगह मिलती रहेगी? क्या होगा यह तो समय बतायेगा लेकिन इतना तय है कि नेताओं को कभी न कभी उस परिवार का सामना करना ही होता है जिसमें वह पैदा होता है। अगर वह उसके लिए लालू की तरह सबकुछ करता है तो भी बदनाम होता है और अगर मोदी की तरह कुछ नहीं करता है तो भी सवाल खड़ा होता है। लालू के परिवारवाद और मोदी के परिवारवाद में यही बुनियादी अंतर है।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

महोपनिषद् (भाग-26)

गतांक से आगे...

जब सभी के प्रति शुद्ध आत्मतत्त्व की अनुभूति की तदात्मक (एकत्व) वृत्ति का उदय हो जाता है, तब दिशा एवं काल में विस्तीर्ण हुआ सम्पूर्ण बाह्य जगत्, चिद्रूपात्मक ही प्रतीत होता है। इस तरह आत्मा जहाँ जिस रूप में उल्लास को प्राप्त होता है, वहाँ शीघ्र ही उसी रूप में वह अवस्थित हो जाता है एवं तदनुरूप ही विराजमान हो जाता है।

जो भी कुछ स्थावर एवं जंगम दृश्यरूप यह सम्पूर्ण जगत् परिलक्षित होता है, वह प्रलय के समय में ठीक वैसे ही विनष्ट हो जाता है, जैसे सुषुप्तावस्था में स्वप्न अदृश्य हो जाता है। यह आत्मा ब्रह्म (आदिकारण) रूप है, परब्रह्म परमेश्वर है। वह सत्यरूप है। ये समस्त संज्ञायें विद्वज्जन एवं महान् आत्माओं ने व्यवहार के लिए कल्पित की हैं। जैसे कङ्कण (हाथ का आभूषण) शब्द एवं उसका अर्थ स्वर्ण से अलग अस्तित्व नहीं रखता और कङ्कण से प्रतिष्ठित स्वर्ण कङ्कण से अलग अपना अस्तित्व नहीं रखता, ठीक वैसे ही जगत शब्द का तात्पर्य भी परब्रह्म ही होता है, इसके अतिरिक्त और कुछ भी नहीं।

उस अविनाशी परब्रह्म परमेश्वर ने जगत् के रूप में यह इन्द्रजाल विस्तीर्ण किया है। द्रष्टा का दृश्य श्री सत्ता से अन्तः सम्बद्ध होना बन्ध कहा जाता है। दृश्य के वशीभूत होकर ही द्रष्टा बन्धन में पड़ता है और दृश्य के अभाव में ही वह मोक्ष प्राप्त करता है। यह जगत, मेरा-तेरा रूप भाव वाली सृष्टि, दृश्य कहलाती है। इस संसार में प्रपञ्चरूपी इन्द्रजाल मन के द्वारा ही प्रबुद्ध होता है।

जब तक मन की यह कल्पना समाप्त नहीं होती, तब तक मुक्ति का मार्ग प्रशस्त होता नहीं दिखलाई पड़ता। यह संसार स्वयंभू ब्रह्मा जी की मानसिक सृष्टि है, अतः दृष्टिगोचर होने वाले इस विश्व को मनोमय ही समझना चाहिए।

क्रमशः ...

संगीत की दुनिया में जाकिर हुसैन ने मनवाया अपना लोहा

अनन्या मिश्रा

जाकिर हुसैन भारत के सबसे फेमस तबला वादक हैं। वह एक शास्त्रीय तबला वादक हैं। उन्होंने अपनी इस कला के जरिए न सिर्फ देश बल्कि विदेशों में भी ख्याति प्राप्त की है। उनके तबले से निकलने वाला संगीत लोगों के दिलों को छू जाता था। उन्होंने अपने जीवन में कई फिल्म जगत की हस्तियों, गायकों और नृतक के साथ काम किया है। उनके योगदान को भारतीय शास्त्रीय संगीत के विकास में कोई नही भूल सकता।

जाकिर हुसैन का जन्म 9 मार्च 1951 को महान तबला वादक अल्लाह रखा के घर में हुआ था। उन्होंने अपनी शुरूआती शिक्षा सेंट माइकल हाई स्कूल से की थी। वहीं मुंबई के सेंट जेवियर कॉलेज से उन्होंने अपना ग्रेजुएशन पूरा किया। वह बचपन से ही प्रतिभावान थे और संगीत में रुचि रखते थे। महज 3 साल की उम्र से ही जाकिर के पिता ने उन्हें पखावज पढ़ाने लगे थे। जिसके बाद वह 11 साल की उम्र में अमेरिका में अपना पहला कॉन्सर्ट किया था। बता दें कि जाकिर को यह हुनर अपने पिता से विरासत में मिला था।

साल 1973 में लिविंग इन द मैटेरियल वर्ल्ड नामक एल्बल लांच किया। इस एल्बम के जरिए जाकिर को जनता की खूब वाहवाही मिली। जाकिर पहले ऐसे संगीतकार थे। जिनको पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा की ओर से व्हाइट हाउस में ऑल-स्टार ग्लोबल कॉन्सर्ट में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। इसके अलावा उन्हें कई पुरुस्कारों से भी सम्मानित किया जा चुका है। मलयालम फिल्म वनाप्रस्थं के लिए जाकिर ने कार्यकर्ता, संगीतकार और भारतीय संगीत सलाहकार के तौर पर काम किया।

पूरी दुनिया में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुके जाकिर हुसैन ने बहुत सी फिल्मों में संगीत दिया है और गाना भी गाया है। उनके तबले की धुन का प्रयोग लिटिल बुद्धा जैसी कई फिल्मों में किया गया। जाकिर ने कई फिल्मों में एकल संगीत और विविध बैंड के साथ भी संगीत दिया है। जाकिर ने एकल और ग्रुप दोनों तरह के प्रदर्शन किए हैं। साल 1998 में जाकिर एंड हिज फ्रें और दी स्पीकिंग हैण्ड- जाकिर हुसैन भी एकल बैंड में शामिल है।

साल 1999 में AFI Los Angeles International Film Festival में मलयालम फिल्म वनाप्रस्थं को ग्रैंड जूरी पुरुस्कार के लिए नॉमिनेट किया गया था। इसके अलावा जाकिर हुसैन को पद्म श्री, पद्म विभूषण और संगीत नाटक अकादमी अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। तबला बजाने के साथ ही जाकिर एक्टिंग में भी रुचि रखते थे। उन्होंने साल 1983 में हीट एण्ड डस्ट फिल्म से एक्टिंग की दुनिया में डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने द परफेक्ट मर्डर, मिस बैटीज चिल्डर्स और साज जैसी फिल्मों में एक्टिंग की है।

मशहूर तबला वादक जाकिर हुसैन ने अन्टोनिया मिन्नेकोला के साथ शादी की। बता दें कि उनकी पत्नी कत्थक नर्तकी और शिक्षिका थी। इसके साथ ही वह जाकिर के मैनेजर के तौर पर भी उनके काम को मैनेज करती थीं। शादी के बाद दोनों के दो बेटियां भी हैं। जिनका नाम अनीसा कुरैशी और इसाबेला कुरैशी है।

नेपाल की राजनीति ने ली फिर से करवट!

रेनू तिवारी

नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड' और सहयोगियों के बीच मंगलवार को सत्ता साझा करने के समझौते पर सहमति नहीं बन पाई और इस बारे में हुई बातचीत बेनतीजा रही। ऐसे में नेपाली कांग्रेस के साथ गठबंधन समाप्त करने के उनके नाटकीय कदम के बाद उनकी सरकार की स्थिरता के बारे में अटकलें तेज हो गईं। प्रचंड ने सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली के नेतृत्व वाले दूसरी सबसे बड़े दल नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी)के साथ एक नया गठबंधन बनाया, जिसके बाद तीन मंत्रियों ने पद की शपथ ली।

नेपाल की दो प्रमुख कम्युनिस्ट पार्टियाँ, जो बारी-बारी से सहयोगी और कट्टर प्रतिद्वंद्वी रही हैं, ने हिमालयी राष्ट्र में गठबंधन सरकार बनाने के लिए एक बार फिर से हाथ मिलाया है। सोमवार (4 मार्च) को हुआ यह अचानक घटनाक्रम चीन की जीत का प्रतिनिधित्व करता है, जो दोनों कम्युनिस्ट पार्टियों को एक साथ लाने की पूरी कोशिश कर रहा है। चीन के पिट्ठू - नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी)-सीपीएन (यूएमएल) के अध्यक्ष खड्गा प्रसाद शर्मा ओली, जो स्पष्ट रूप से भारत विरोधी और अमेरिका विरोधी भी हैं - एक बार फिर नेपाल में ड्राइवर की सीट पर होंगे। प्रधान मंत्री पुष्प कमल दहल, जो नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी केंद्र) के अध्यक्ष भी हैं, ने ओली की पार्टी और समाजवादी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के साथ एक नया गठबंधन बनाने से पहले, सोमवार को सहयोगी नेपाली कांग्रेस (एनसी) को छोड़ दिया।

माओवादियों और एनसी के बीच गठबंधन टूटने से दोनों दलों के बीच कई हफ्तों से बढ़ते मतभेदों पर लगाम लग गई, जो दिसंबर 2022 में दहल के प्रधान मंत्री के रूप में सरकार बनाने के लिए एक साथ आए थे। दहल और एनसी अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा के बीच उपप्रधानमंत्री और गृह मंत्री नारायण

काजी श्रेष्ठ, वित्त मंत्री प्रकाश शरण महत, स्वास्थ्य मंत्री मोहन बहादुर बस्नेत, परिवहन मंत्री प्रकाश ज्वाला और पर्यटन मंत्री सूडान किराती को हटाने पर मतभेद था। जहां महत और बसनेत एनसी से हैं, वहीं ज्वाला कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूनिफाइड सोशलिस्ट)-सीपीएन (यूएस) से हैं, जो सरकार में एक छोटी भागीदार थी। श्रेष्ठ और किराती दहल की ही पार्टी से हैं।

देउबा चाहते थे कि श्रेष्ठ और किराती पहले जाएं, लेकिन देउबा अपनी ही पार्टी के सहयोगियों को कैबिनेट से हटाने से पहले तीन अन्य को बाहर करना चाहते थे। माओवादियों और एनसी के बीच राष्ट्रीय सभा (नेशनल असेंबली) या संसद के ऊपरी सदन के अध्यक्ष पद को लेकर भी तीखे मतभेद पैदा हो गए थे। जबकि माओवादी अध्यक्ष के रूप में अपना खुद का उम्मीदवार चाहते थे, नेकां ने इस पद के लिए अपने उम्मीदवार की घोषणा की और यहां तक घोषणा की कि यदि आवश्यक हुआ तो वह अपने उम्मीदवार को इस पद पर निर्वाचित कराने के लिए ओली की मदद लेगी। लेकिन, एनसी और सीपीएन (यूएस) के नेताओं का कहना है कि ये और कुछ अन्य मतभेद इतने गंभीर नहीं थे कि गठबंधन तोड़ने की जरूरत पड़े।

चीनी हमेशा से चाहते थे कि नेपाल की दोनों कम्युनिस्ट पार्टियाँ हाथ मिलाएँ और एकजुट हों। बीजिंग का मानना है कि नेपाल में एक मजबूत और एकजुट कम्युनिस्ट पार्टी चीन के आदेश का पालन करेगी। इससे चीन को भारत के पिछवाड़े में रणनीतिक गहराई हासिल करने और दक्षिण एशिया में भारत को नियंत्रित करने के लिए नेपाल का उपयोग करने की अनुमति मिल जाएगी, जैसा कि वह पाकिस्तान के साथ करता है।

2017 के संसदीय चुनावों से पहले चीनियों को सफलता मिली जब दहल और ओली ने चुनावी गठबंधन बनाया और एक साथ चुनाव लड़ा। गठबंधन ने चुनावों में जीत हासिल की और फिर चीनियों ने नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी) बनाने के लिए दोनों पार्टियों के बीच विलय कराया। लेकिन जल्द ही दहल और ओली के बीच सत्ता साझा करने को लेकर मतभेद हो गए और दोनों अलग हो गए और इस तरह एनसीपी में बिखराव हो गया। 2021 में एनसीपी भंग हो गई और 2022 के संसदीय चुनावों में, एनसी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, जबकि ओली की सीपीएन-(यूएमएल) दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी और माओवादी तीसरे नंबर पर रहे।

दहल ने प्रधानमंत्री बनने के लिए एनसी और यूनिफाइड सोशलिस्ट के साथ गठबंधन बनाया। लेकिन उनकी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं और सारी शक्ति अपने हाथों में केंद्रित करने की प्रवृत्ति के कारण उनके गठबंधन सहयोगियों के साथ मतभेद पैदा हो गए। चीन ने सत्तारूढ़ गठबंधन के घटकों के बीच बढ़ते मतभेदों का पूरा फायदा उठाया और उन मतभेदों को हवा भी दी। नेपाल में राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि दहल के पिछले अपराधों के कारण बीजिंग उन पर काफी प्रभाव रखता है। सीपीएन (यूएस) के एक नेता ने कहा, चीन ने दहल पर दबाव बनाने के लिए इन लीवर का इस्तेमाल किया और उन्हें एनसी से अलग होने के लिए मजबूर किया।

दहल ने एनसी को स्पष्ट रूप से मात दे दी है। बताया जाता है कि एनसी अध्यक्ष देउबा ने सोमवार को अपने करीबी सहयोगियों से इस बात पर अफसोस जताया था कि उन्हें माओवादियों को छोड़कर सीपीएन (यूएमएल) के साथ गठबंधन करने के ओली के प्रस्ताव को स्वीकार कर लेना चाहिए था। ओली, बीजिंग के इशारे पर, दहल और देउबा दोनों के साथ खेल रहे थे और दोनों के साथ गठबंधन बनाने की पेशकश कर रहे थे। जहां देउबा ने सत्तारूढ़ गठबंधन को बरकरार रखने की खातिर उन प्रस्तावों को खारिज कर दिया, वहीं दहल को ऐसी कोई चिंता नहीं थी। इसके अलावा, ओली को एहसास हुआ कि देउबा के बजाय दहल को लाइन में रखना बहुत आसान होगा। संसद में सीपीएन (यूएमएल) की तुलना में बहुत कमजोर होने के कारण माओवादियों को ओली की इच्छाओं के आगे झुकना होगा और वह प्रधानमंत्री की कुर्सी के पीछे असली ताकत होंगे।

जहां तक प्रधान मंत्री की कुर्सी का सवाल है, माओवादियों और सीपीएन (यूएमएल) के बीच एक नए समझौते में कहा गया है कि जहां दहल दिसंबर 2025 तक शीर्ष पद पर बने रहेंगे, वहीं ओली शेष दो वर्षों (दिसंबर 2027 तक) के लिए उनकी जगह लेंगे। लेकिन नेपाल में चल रहे %महान खेल% में भले ही चीन ने यह दौर जीत लिया हो, लेकिन इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि ओली-दहाल की दोस्ती कायम रहेगी। राजनीतिक अनिश्चितता और राजनीतिक दलों के बीच बार-बार गठबंधन और टूट-फूट ने देश को कई दशकों से परेशान कर रखा है। राजनेताओं की व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएँ सरकारों के पतन और नई सरकारों के गठन का कारण बनी हैं। इस प्रकार, ओली और दहल का नवीनतम साथ आना, नेपाल के राजनीतिक इतिहास में एक और दिलचस्प अध्याय की शुरुआत का प्रतीक है। लेकिन इसकी कोई गारंटी नहीं है कि यह अध्याय छोटा नहीं होगा।

आज का इतिहास

1946 जूहो कुस्ति पासीकिविन फिनलैंड के राष्ट्रपति बने।
1946 इंग्लैंड के बोल्टन में एक फुटबॉल स्टेडियम बर्डन पार्क में भगदड़ में तैंतीस लोग मारे गए।
1951 यूनाइटेड आर्टिस्ट ने संयुक्त राज्य अमेरिका में विज्ञान-वन, फिल्म द मैन ऑफ़ प्लैनेट एक्स रिलीज किया।
1956 जॉर्जिया के त्बिलिसी में, सोवियत सेना के सैनिकों ने सोवियत नेता निकिता ख्रुश्चेव की डी-स्तालिनकरण नीति के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोधाभासों को दबा दिया।
1959 दुनिया की सबसे ज्यादा बिकने वाली गुड़िया बार्बी ने न्यूयॉर्क शहर में अमेरिकनइंटरनेशनल टॉय फेयर में डेब्यू किया।
1961 डमी मानव के साथ रूसी अंतरिक्ष यान स्पूतनिक 9 का सफल प्रक्षेपण हुआ।
1976 जर्मनी के कवालेसे में केबल कार दुर्घटना में 42 लोगों की मौत हुई।
1977 वाशिंगटन, डीसी में बारह बंदूकधारियों ने तीन इमारतों को जब्त कर लिया और 39 घंटे के गतिरोध में 149 बंधकों को ले लिया, जो केवल दो मौतों में समाप्त हो गए।
1977 अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में हनाफी मुस्लिम गुट ने तीन इमारतों पर हमला कर 149 लोगों को बंधक बनाया, दो की हत्या की।
1983 मानहानि की वजह से ऐनी बूरफोर्ड ने संयुक्त राज्य अमेरिका के पर्यावरण संरक्षण एजेंसी के प्रमुख के रूप में इस्तीफा दिया।
1990 पहली महिला अमेरिकी सर्जन ने शपथ ली है। . एंटोनिया नोवेलो पहली महिला अमेरिकी सर्जन जनरल बन गई हैं।
1991 5 वें अमेरिकी हास्य पुरस्कारों की घोषणा की गई है। डेनिस वोल्फबर्ग को सर्वश्रेष्ठ हास्य अभिनेता के रूप में चुना गया है।
1996 श्रीलंका के मशहूर क्रिकेटर जयसूर्या ने वर्ल्ड कप क्वार्टर-फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 44 गेंदों में 82 रन बनाए।
1998 एसटीएस 39 (खोज 12), अमेरिकी 70 वें मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन को कक्षा में लॉन्च किया गया है
2004 पाकिस्तान ने 2000 किमी. की मारक क्षमता वाले सतह तक मार करने वाले शाहीन-2 (हत्फ-6) प्रक्षेपास्त्र का सफल परीक्षण किया।
2010 एक जापानी कीट, जिसका नाम अल्फ़ालारा इटादोरी है, जो आक्रामक जापानी गाँठ का मुकाबला करता है, यूरोपीय संघ द्वारा अनुमोदित पहला जैव नियंत्रण एजेंट है।
2011 जापान में होन्शू के तट पर 7.2 की तीव्रता वाला भूकंप जापान के निवासियों के लिए सुनामी अलर्ट जारी करने का संकेत देता है।

मोदी पर निजी हमला कर विपक्ष ने खुद के पैरों पर मार ली कुल्हाड़ी

डॉ. आशीष वशिष्ठ

20 सितंबर 2018 को कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने राजस्थान में आदिवासी जिले डूंगरपुर के सागवाड़ा में एक जनसभा में एक कहावत का उपयोग करते हुए राफेल मामले में प्रधानमत्री पर अमर्यादित टिप्पणी की। इस दौरान उन्होंने पीएम पद की गरिमा का खयाल भी नहीं रखा। राहुल गांधी ने कहा, 'गली-गली में शोर है, देश का चैकीदार चोर है।' राहुल गांधी की चैकीदार चोर की टिप्पणी के बाद पूरे देश में इस शब्द को लेकर ही आंदोलन शुरू हो गया था। बीजेपी के तमाम नेताओं ने अपने नाम के आगे 'मैं भी चैकीदार' जैसे शब्द लिखने शुरू कर दिए थे। बाद में, चौकीदार चोर है का नारा देने के कारण राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट में बिना शर्त माफी मांगी थी।

3 मार्च 2024 को बिहार की राजधानी पटना के गांधी मैदान में जन विश्वास महारैली में इंडी अलांयस की रैली में बोलते हुए राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने प्रधानमंत्री मोदी पीएम मोदी के परिवारवाद वाली टिप्पणी का जवाब देते हुए कहा था कि उनकी कोई संतान नहीं है। वो पत्नी के साथ नहीं रहते। कैसे जानेंगे कि परिवार क्या होता है?

लालू प्रसाद की आपत्तिजनक टिप्पणी के अगले दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तेलंगाना के अदिलाबाद में जनसभा को संबोधित कर रहे थे तो उन्होंने विपक्ष की ओर से उनके परिवार को लेकर किए गए हमले का परोक्ष रूप से जवाब दिया। पीएम ने कहा, 'मैं इनके परिवारवाद पर सवाल उठाता हूं, तो इन लोगों ने अब बोलना शुरू कर दिया है कि मोदी का कोई परिवार नहीं है। मैं इनसे कहना चाहता हूं कि 140 करोड़ देशवासी मेरा परिवार हैं। जिनका कोई नहीं है, वो भी मोदी के हैं और मोदी उनका है। मेरा भारत ही मेरा परिवार है।'

पीएम मोदी की ओर से पूरे देश को अपना परिवार बताए जाने के कुछ देर बाद ही भाजपा ने नए अभियान की शुरुआत कर दी। अभियान का नाम दिया गया 'मोदी का परिवार।' फिर क्या था बीजेपी के तमाम आला नेताओं ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपना बॉयो बदल दिया। वास्तव में, लालू के हमले को ही मोदी ने हथियार बनाते हुए अपने चुनावी अभियान में शामिल कर लिया। साल 2019 में भी पीएम मोदी ने विपक्ष के हमले से ही एक ऐसा हथियार निकाला और इस तरह अभियान चलाया कि राहुल गांधी और कांग्रेस की सारी कोशिशें ध्वस्त हो गई थीं और भारतीय जनता पार्टी 2014 की तुलना में बड़ी जीत के साथ सत्ता में वापसी की थी।

2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान पीएम मोदी ने एक्स पर अपने बॉयो में 'मैं भी चौकीदार' लिखकर इस अभियान की शुरुआत की थी। यह अभियान तेजी से वायरल हो गया और बड़ी संख्या में बीजेपी के छोटे-बड़े नेताओं ने अपनी बॉयो में 'मैं भी चैकीदार' लिखना शुरू कर दिया। गली-गली पोस्टर लग गए। सिर पर टोपी आई जिस पर लिखा था- मैं भी चौकीदार। हर बड़ी हस्ती खुद को चौकीदार बताने लगी थी। चायवाला बनकर अगर पीएम रिक्शा, रेहड़ी-पटरी वाले तबके से जुड़ते हैं तो 'मैं भी चौकीदार' से उन्होंने एक बड़े तबके को खुद से जोड़ने की कोशिश की, वो प्रयोग सफल रहा। यह अभियान चुनाव खत्म होने तक जारी रहा। 2019 में जहां मैं भी चौकीदार नारा चर्चा में आया था तो

वहीं अबकी बार मोदी का परिवार सुर्खियों में है। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले इस बार विपक्ष ने फिर से वही गलती कर दी है।

2014 के चुनाव में कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने पीएम मोदी पर एक और हमला किया था। अय्यर ने कहा था कि वो चायवाला क्या प्रधानमंत्री बनेगा। इस बयान पर भाजपा कांग्रेस पर लगातार हमलावर रही थी। पीएम ने अय्यर की टिप्पणी पर जवाब अपने ही अंदाज में दिया था। मोदी ने चुनावी कैंपेन के दौरान खुद को चायवाला बताकर कांग्रेस पर तीखे प्रहार किए थे। इस बयान को मुद्दा बनाया गया था और चाय पर चर्चा कार्यक्रम रखे गए थे। उस वक्त भी इसी तरह बीजेपी ने उनके इस बयान को लपका था। बीजेपी कार्यकर्ताओं ने उस वक्त ना सिर्फ तालकटोरा स्टेडियम के बाहर चाय बेची थी बल्कि बीजेपी की लोकसभा चुनाव की पूरी रणनीति ही 'चाय' पर केंद्रित हो गई थी।

2007 में गुजरात चुनाव के दौरान सोनिया गांधी ने पीएम मोदी को 'मौत का सौदागर' बताया था। कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने 2017 में पीएम मोदी को नीच इंसान बताया था, गुजरात चुनाव के दौरान दिया गया ये नारा भाजपा ने जातिवाद से जोड़ दिया था। पीएम ने पलटवार करते हुए कहा कि, कांग्रेस के लोग मुझे नीच कहते हैं। गुजरात के बेटे के इन शब्दों का प्रयोग कांग्रेस को भारी पड़ेगा। प्रदेश के नतीजे इसके गवाह होंगे। 2017 के चुनाव में बीजेपी ने शानदार विजय हासिल की थी।

2019 के लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की अगुआई वाले एनडीए गठबंधन को बड़ी जीत हासिल हुई थी। भाजपा ने 2014 में 282 सीटें जीती थी। वहीं 2019 के आम चुनाव में भाजपा ने अकेले तीन सौ के आंकड़ों को पार किया और 303 सीटों पर जीत का परचम लहराने में सफल रही। अन्य सहयोगी पार्टियों के साथ ने इस जीत को और प्रचंड बना दिया। एनडीए ने लोकसभा की कुल 353 सीटों पर कब्जा किया, वहीं कांग्रेस की अगुवाई वाला यूपीए 92 सीटों पर सिमट कर रह गया। कांग्रेस के अकेले प्रदर्शन की बात करें तो काफी खींच-तान के बाद पार्टी को महज 52 सीटों पर सफलता मिली। भाजपा की इस बड़ी जीत के बाद भारतीय राजनीति में विपक्ष के सामने एक बार फिर अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया था। 2014 के चुनावों की बात करें तो कांग्रेस महज 44 सीटों पर जीत हासिल कर पाई थी और उस बार भी सदन को विपक्ष का नेता नहीं मिल पाया था। 2019 के आम चुनाव में विपक्ष की ओर से राहुल गांधी पीएम मोदी के मुकाबले मैदान में थे। इस बार इंडी अलांयस मैदान में तो है, लेकिन उसकी ओर से कोई सर्वसम्मत चेहरा मैदान में नहीं है। विपक्ष को समझना चाहिए कि भाजपा के पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूप में चमत्कारी चेहरा है। उनकी नीतियों और फैसलों में खामी ढूंढ़कर जनता के सामने रखा जा सकता है लेकिन जब पीएम खुद को सबसे बड़ा ओबीसी नेता बता रहे हों, चुनाव करीब हो तब विपक्ष की एक गलती सारे समीकरण गड़बड़ा सकती है। अब परिवार वाले तंज पर ही देखिए कैसे पीएम ने रैली में भावुक अंदाज में देशभर के लोगों तक मैसेज पहुंचा दिया। हां, पीएम ने कहा, 'मेरा भारत-मेरा परिवार, इन्हीं भावनाओं को लेकर मैं आपके लिए जी रहा हूं, आपके लिए जूझ रहा हूं और आपके लिए जूझता रहूंगा।' पश्चिम बंगाल के बारासात में नारी शक्ति वंदन अभिनंदन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'आज देश का हर गरीब, हर किसान, हर नौजवान, हर बहन-बेटी कह रही है कि मैं हूं मोदी का परिवार। सालों तक परिवार से विरक्त रहा हूं। लेकिन एक दिन भी भूखा नहीं रहा। इसीलिए मैं कहता हूं कि यही मेरा परिवार है। 140 करोड़ देशवासी ये मेरा परिवार है।' देश के राजनीतिक इतिहास के पन्ने पलटे तो पीएम मोदी पर लगातार कांग्रेस और विपक्ष अभद्र टिप्पणी और निजी हमले करते रहे हैं। कभी पीएम मोदी को रावण कहा गया तो कभी जहरीला सांप, कभी मौत का सौदागर कहा गया तो कभी चौकीदार चोर है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि विपक्ष लगातार हमले करते रहा और पीएम मोदी सहजता से उन हमलों और टिप्पणियों को अपना हथियार बनाते रहे। इस बार भी कुछ वैसा ही देखने को मिल रहा है। विपक्ष ने बैठे बैठाए भाजपा को मुद्दा थमा दिया है। भाजपा को 'मोदी का परिवार' अभ्यिान विपक्ष को भारी पड़ने वाला है।

2019 के बाद गठबंधनों की बदलती रही स्थिति

अंकित सिंह

लोकसभा चुनाव पूरी तरीके से दहलीज पर है। सभी राजनीतिक दल अपनी अपनी तैयारी में जुटे हुए हैं। अब तक की जो स्थिति बनती हुई दिखाई दे रही है उसमें ऐसा लग रहा है कि लोकसभा चुनाव में मुख्य मुकाबला भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन और विपक्षी इंडिया गठबंधन के बीच ही रहने वाला है। ऐसे में बड़ा सवाल यही है कि आखिर किस गठबंधन की ताकत कितनी है? 2019 की तुलना में इस बार कौन से दल किस गठबंधन में हैं? 2024 के चुनाव पर इसका क्या असर पड़ने वाला है? इसमें कोई दो राय नहीं है कि तमाम सर्वे इस बात का दावा कर रहे हैं कि 2024 के लोकसभा चुनाव में एक बार फिर से भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन सरकार बनाने की स्थिति में आ सकती है। एनडीए में भाजपा के बड़े सहयोगियों की बात करें तो उसमें बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जदयू, एकनाथ शिंदे की शिवसेना, अजित पवार गुट की एनसीपी और जयंत चौधरी की आरएलडी शामिल है। उत्तर प्रदेश में संजय निषाद की निषाद पार्टी, ओमप्रकाश राजभर की सुभासपा, बिहार में उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी, रामविलास पासवान की पार्टी के दोनों गुट और जीतन राम मांझी की हम एनडीए के साथ है। दक्षिण भारत के राज्यों में भी भाजपा ने छोटे-छोटे दलों के साथ गठबंधन बनाने की कोशिश की है जो इसकी ताकत को बढ़ाती है। कांग्रेस के नेतृत्व वाली इंडिया गठबंधन की ताकत की बात करें तो कहीं ना कहीं इसमें कई क्षेत्रीय दल शामिल है जो अपने-अपने राज्य में बड़ा जनाधार रखते हैं। लेफ्ट के तमाम दलों के अलावा इंडिया गठबंधन को उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव की पार्टी समाजवादी पार्टी, बिहार में लालू यादव की राष्ट्रीय जनता दल, दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी, दक्षिण में एमके स्टालिन के डीएमके, महाराष्ट्र में शरद पवार की एनसीपी और उद्धव ठाकरे के शिवसेना, केरल की इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग, केरल कांग्रेस, कश्मीर में नेशनल कांफ्रेंस, पीडीपी, झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा का साथ मिल रहा है। ऐसे में यह गठबंधन भी कागजों पर मजबूत स्थिति में दिख रहा है। जो 2019 में भाजपा के साथ थे वे अभी इंडिया में नहीं है तो उनमें उद्धव ठाकरे की अविभाजित शिवसेना, हनुमान बेनीवाल की पार्टी, शिरोमणि अकाली दल, तमिलनाडु की एआईएडीएमके फिलहाल भाजपा के साथ शामिल नहीं है। हालांकि भाजपा ने इसके विकल्प भी तैयार रखे हैं। उद्धव ठाकरे से अलग होकर बने शिवसेना फिलहाल भाजपा के साथ है। वहीं, दक्षिण भारत में एआईएडीएमके की जगह पार्टी ने कई छोटे-छोटे क्षेत्रीय दलों से गठबंधन कर रखा है। नीतीश कुमार की जदयू 2019 में भी एनडीए के साथ मिलकर लोकसभा का चुनाव लड़ी थी। हालांकि बाद में नीतीश कुमार एनडीए से बाहर हो गए वह महागठबंधन में चले गए और इंडिया गठबंध की नींव रखने वाले नेताओं में से एक रहे। हालांकि, एक बार फिर से नीतीश कुमार भाजपा के साथ आ गए हैं। ऐसे में एनडीए गठबंधन मजबूत हुआ है वहीं, इंडिया को बड़ा झटका लगा है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी, उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी, महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना 2019 में कांग्रेस के साथ नहीं थी। लेकिन इस बार खड़ी दिखाई दे रही है। हालांकि इंडिया गठबंधन में द्वंद्व की स्थिति भी है। आम आदमी पार्टी जहां कांग्रेस के साथ दिल्ली में गठबंधन कर रही है तो वहीं पंजाब में दोनों दलों ने एक दूसरे से किनारा किया हुआ है। ममता बनर्जी खुद को इंडिया गठबंधन का हिस्सा मानती हैं लेकिन बंगाल में कांग्रेस और वाम दलों के खिलाफ उनका आक्रामक रवैया जारी है और कहीं ना कहीं बंगाल में कोई गठबंधन अब तक नहीं हो पाया है। कांग्रेस के लिए असहज करने वाली स्थित वामदालों से गठबंधन है क्योंकि बंगाल और त्रिपुरा में दोनों साथ है जबकि केरल में दोनों एक दूसरे के खिलाफ लड़ते हुए दिखाई दे जाते हैं।

धनंजय सिंह, भाजपा और जौनपुर की दिलचस्प जंग

संजय तिवारी

उत्तर प्रदेश की जौनपुर लोकसभा सीट वैसे तो कोई चर्चा का विषय नहीं थी लेकिन धनंजय सिंह को मिली सजा से अचानक यह सीट चर्चा में आ गयी। पूर्वांचल में माफिया नेता के रूप में मशहूर धनंजय सिंह इस सीट से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे लेकिन अब वो जेल पहुंच गये हैं। धनंजय सिंह को जिस केस में सात साल की सजा हुई है उसमें पुलिस द्वारा फाइनल रिपोर्ट लगाई जा चुकी है। लेकिन जिस तरह से उस केस को दोबारा खोला गया और आनन फानन में जिला अदालत द्वारा त्वरित सुनवाई करते हुए सात साल की सजा दी गयी, वह अपने आप में कई सवाल पैदा करता है। आखिर प्रशासन ने एक बंद हो चुके केस को दोबारा क्यों शुरु किया? क्या इससे धनंजय सिंह को राजनीतिक फायदा होगा या भाजपा को?

परंपरागत रूप से जौनपुर भाजपा या जनसंघ के लिए सिर्फ एक लोकसभा सीट भर नहीं है। इस सीट के साथ भाजपा/जनसंघ का एक इतिहास जुड़ा हुआ है। भाजपा के वैचारिक जन्मदाता कहे जानेवाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने अपने जीवन में सिर्फ एक चुनाव लड़ा था और वह भी इसी जौनपुर सीट से। 1963 के उपचुनाव में जनसंघ के ही सांसद की मौत के बाद वो मैदान में उतरे थे। लेकिन कांग्रेस ने राजदेव सिंह को टिकट देकर पूरे चुनाव को ठाकुर बनाम ब्राह्मण बना दिया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय किसी भी प्रकार के जातिवाद के खिलाफ थे और अंत तक इससे बचते रहे। वो चुनाव को वैचारिक आधार पर लड़ना चाहते थे लेकिन कांग्रेस के ठाकुर बनाम ब्राह्मण के जातिवादी दांव में वो फंस गये। वहां से इस सीट पर ठाकुर बनाम ब्राह्मण का जो बंटवारा शुरु हुआ वह आज तक बना हुआ है। हालांकि जातीय आंकड़ों के हिसाब से यहां ब्राह्मण मतदाता लगभग 16 प्रतिशत और ठाकुर 13.5 प्रतिशत है।

यह पंडित दीनदयाल उपाध्याय की हार का असर था या कुछ और लेकिन अब भाजपा भी इस सीट पर ठाकुर उम्मीदवार उतारने में विश्वास करती है। इस सीट का इतिहास देखें तो 18 बार हुए लोकसभा चुनाव में

11 बार ठाकुर उम्मीदवार ही विजेता हुआ है। जौनपुर के राजा यादवेन्द्र दत्त दूबे जरूर दो बार विजयी रहे। एक बार जनता पार्टी के टिकट पर और दूसरी बार 1989 में भाजपा के टिकट पर राम लहर में राजा यादवेन्द्र दत्त दूबे ही विजयी हुए थे। इसके अलावा चाहे वह राजकेसर सिंह हों, चिन्मयानंद हों या कृष्ण प्रताप सिंह। भाजपा के खाते में जीत तभी आयी है जब उसने ठाकुर उम्मीदवार दिया है। संभवत: यही कारण है कि इस बार भी भाजपा ने मूलत- जौनपुर के निवासी और मुंबई के प्रवासी कृपाशंकर सिंह को टिकट दे दिया। कृपाशंकर सिंह कांग्रेस में थे और महाराष्ट्र के गृहराज्यमंत्री रह चुके हैं। कुछ सालों से अब वो बीजेपी में हैं और जौनपुर से मिला टिकट उनके भाजपा में आने का ईनाम है। लेकिन इस बार पेच यह फंस गया कि धनंजय सिंह पहले से मैदान में उतरने का ऐलान कर चुके थे। उन्होंने बाकायदा इसके लिए प्रचार भी शुरु कर दिया था। धनंजय सिंह मूलत- जौनपुर के हैं और स्थानीय जनता पर उनकी गहरी पकड़ है। एक बार वो इस सीट से सांसद भी रह चुके हैं। ऐसे में अगर इस बार भी वो नामांकन करने में सफल हो जाते तो यह सीधे सीधे कृपाशंकर सिंह की हार की गारंटी होती। खुद धनंजय सिंह जीतते या न जीतते लेकिन ठाकुर वोट पूरी तरह से बंट जाता। बड़े स्तर पर दूसरी जातियों के लोग भी धनंजय को वोट करते इसमें भी संशय नहीं है।

ऐसे में अगर लड़ाई त्रिकोणीय होती तो धनंजय या कृपाशंकर सिंह के अलावा तीसरे उम्मीदवार के जीतने का अवसर अधिक बढ जाता। जैसा कि इस समय है। दो बार समाजवादी पार्टी से पारसनाथ यादव इस सीट से सांसद रह चुके हैं। इस समय इस सीट से बसपा के श्याम सिंह यादव हैं जो पिछली बार के विजेता कृष्ण प्रताप सिंह को हराकर सांसद बने थे। इस बार भी अगर श्याम सिंह यादव सपा या बसपा से मैदान में उतरते हैं तो भाजपा के कृपाशंकर सिंह को कड़ी चुनौती दे सकते हैं। लेकिन ऐसा भी नहीं है कि धनंजय के जेल जाने या परचा न भर पाने से भाजपा के लिए जौनपुर का रास्ता आसान हो जाएगा। खबरें ऐसी भी आ रही हैं कि धनंजय की पत्नी श्रीकला सिंह किसी पार्टी के टिकट पर या फिर निर्दलीय भी मैदान में उतर सकती है। वो ऐसा इसलिए करेंगी क्योंकि धनंजय सिंह के जेल जाने से उनके पक्ष में सहानुभूति की लहर है जिसे कैश कराने के लिए वो मैदान में उतरेंगी।

चर्चाएं तो यहां तक हैं कि धनंजय सिंह किसी योजना के तहत जेल गये हैं। एक पक्ष दावा कर रहा है कि भाजपा सीधे धनंजय को टिकट नहीं देकर उनकी पत्नी को निर्दलीय जीतने में मदद कर सकती है। ऐसा दावा करनेवालों का अपना तर्क है। उनका कहना है कि धनंजय सिंह को परोक्ष रूप से योगी का समर्थन प्राप्त है। लेकिन यहां यह भी महत्वपूर्ण तथ्य है कि बीजेपी अपने ही उम्मीदवार को हराकर किसी निर्दलीय को जिताने में क्यों मदद करेगी?

हालांकि कृपाशंकर सिंह की स्थिति जौनपुर में अच्छी नहीं है। ठाकुर बिरादरी में ही उनकी कोई खास पकड़ या पहुंच नहीं है। इसलिए अगर धनंजय की पत्नी मैदान में उतरती हैं तब भी कृपाशंकर सिंह की जीत संदिग्ध हो जाएगी। फिलहाल सपा और बसपा ने अपने पत्ते नहीं खोले हैं। वो किस पर दांव लगाते हैं यह भी देखना होगा। खबरें ऐसी भी आ रही हैं कि धनंजय सिंह को जेल इसलिए भेजा गया क्योंकि वो सपा के टिकट पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे। अब उनके जेल जाने के बाद सपा उनकी पत्नी को भी टिकट दे सकती है। बहरहाल, राजनीतिक परिदृश्य चाहे जो बने लेकिन दशकों बाद लोकसभा की जौनपुर सीट फिर से चर्चा में आ गयी है। जिस सीट से दीनदयाल उपाध्याय और राजा जौनपुर यादवेन्द्र दत्त दूबे जनसंघ/भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ चुके हों वहां कृपाशंकर सिंह को टिकट देना ही भाजपा की वैचारिक गिरावट का संकेत करता है।

महाराष्ट्र में भाजपा के सामने टिकट बंटवारे का महासंकट

समीर चौगांवकर

उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी करने की तैयारी में जुटी भाजपा की राह में सबसे बड़ा रोड़ा उसके सहयोगी दल बन रहे हैं। इसका कारण यह है कि पहली सूची जारी करते समय उसे उम्मीदवार चयन करने के लिए अपने सहयोगी दलों पर निर्भर नहीं रहना था। बिहार में नीतीश 2019 की तरह 17 सीटों पर लड़ने का दबाव भारतीय जनता पार्टी पर बना रहे है, वहीं महाराष्ट्र में भाजपा के सहयोगी एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजीत पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी भी भाजपा से लोकसभा सीटों को लेकर किसी तरह का लिहाज करने के मूड में नहीं है।

उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों के बाद महाराष्ट्र से सबसे ज्यादा 48 लोकसभा सीटें आती हैं। उद्धव ठाकरे की शिवसेना और शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को दो फाड़ कर महाराष्ट्र में भाजपा के साथ सत्ता का स्वाद चख रहे एकनाथ शिंदे और अजीत पवार सीटों के बंटवारे में बीजेपी से अपने योगदान का पूरा हिस्सा मांग रहे हैं। एकनाथ शिंदे चाहते हैं कि 2019 की तर्ज पर 23 सीटें उनकी शिवसेना के लिए छोड़ी जाएं और अजीत पवार भी पश्चिम महाराष्ट्र में अपने दबदबे के आधार पर 10 से कम सीटों पर मानने को तैयार नहीं हैं। शिंदे और अजीत पवार की मांग और अपने रूख पर अड़े रहने के कारण मंगलवार को महाराष्ट्र के दौरे पर रहे गृह मंत्री अमित शाह ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक की। अमित शाह ने इस बैठक में साफ कह दिया है कि शिवसेना और अजीत पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को उनकी हैसियत से ज्यादा पहले ही दिया जा चुका है। ऐसे में लोकसभा चुनाव को लेकर वह ज्यादा महत्वकांक्षा न पाले। भाजपा का तर्क है कि 40 विधायकों वाले एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री और 40 विधायकों वाले अजीत पवार को उपमुख्यमंत्री के साथ वित्त मंत्रालय जैसा भारी मंत्रालय दिया जा चुका है। भाजपा का मानना है कि लोकसभा चुनाव मोदी के नाम और मोदी के काम पर लड़ा जाएगा ऐसे में ज्यादा से

ज्यादा सीटों पर लड़ने का उनका नैतिक अधिकार है। शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के साथ सीटों के फंसे पेच को सुलझाने और जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं में शिंदे और अजीत पवार को लेकर मचे घमासान को साधने के लिए अमित शाह ने विवाद की सीटों पर विस्तार से बात की और नेताओं से साफ कहा कि जितनी ज्यादा सीटें हम जीतेगें उतना विपक्ष कमजोर होगा और मोदी उतने मजबूत होंगे। शाह ने कार्यकर्ताओं से कहा कि कई बार अच्छे स्वास्थ्य के लिए कड़वी दवाई निगलनी पड़ती है। उसी तरह सत्ता के लिए कई बार विचारधारा के विपरीत जाकर गठबंधन करने पड़ते है।

अमित शाह ने एकनाथ शिंदे और अजित पवार को भी संदेश भेज दिया है कि गठबंधन में सीटें हारने के लिए नहीं दी जा सकती। शाह ने एकनाथ शिंदे की शिवसेना को 8 सीटें और अजीत पवार को 4 सीटें देने का प्रस्ताव दिया है। भाजपा अपने लिए खुद 36 सीटें रखना चाहती है। महादेव जानकर, राजू शेट्टी और प्रकाश अंबेडकर की वंचित बहुजन अघाड़ी जैसे छोटे दलों के साथ यदि कुछ बात बनती है तो भाजपा इनको अपने कोटे से सीट देगी। अमित शाह ने एकनाथ शिंदे के उस प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया है जिसमें शिवसेना ने 2019 के तर्ज पर अविभाजित शिवसेना को दी गई 22 सीटों पर दावा ठोका था। भाजपा का मानना है कि 2019 के बाद परिस्थितियां भाजपा के पक्ष में है और सिर्फ 2019 में सीट बंटवारे के फार्मूले को 2024 में आधार नहीं बनाया जा सकता। भाजपा ने एकनाथ शिंदे और अजीत पवार से पूछा है कि पहले वह बताएं कि उनके पास उनकी मांगी जा रही सीटों पर कौन से जिताऊ उम्मीदवार हैं। शाह ने एकनाथ शिंदे और अजीज पवार से यह भी कहा है कि आपके साथ आपकी पार्टी का मूल वोटर भी आया है कि नहीं, लोकसभा चुनाव में इसका फैसला भी हो जाएगा। शाह ने एकनाथ शिंदे और अजीत पवार को यह प्रस्ताव भी दिया है कि मोदी के चेहरे और मोदी की लोकप्रियता पर हो रहे इस चुनाव में कुछ सीटों पर आपके उम्मीदवार भाजपा के चुनाव चिन्ह पर भी मैदान में उतारे जा सकते हैं।

महाराष्ट्र में जिन सीटों को लेकर विवाद है उनमें अमरावती, मुम्बई दक्षिण, मुम्बई दक्षिण मध्य और मुम्बई उत्तर पश्चिम और ठाणे की सीटें शामिल हैं। भाजपा अमरावती से निर्दलीय सांसद नवनीत राणा को समर्थन देना चाहती है, वहीं शिवसेना नेता आनंद राव अडसुल अमरावती सीट छोडने को तैयार नहीं है। मुम्बई की छह सीटों में से तीन सीटों पर शिवसेना का सांसद है और एकनाथ शिंदे इन तीनों सीट को अपने लिए मांग रहे हैं जबकि भाजपा मुम्बई की छह सीटों मे से सिर्फ एक सीट एकनाथ शिंदे को देना चाहती है। भाजपा ने एकनाथ शिंदे से साफ कहा है कि ठाणे की सीट अगर वह अपने बेटे श्रीकांत के लिए चाहते हैं तो कल्याण डोंबिवली सीट भाजपा को देनी होगी। शिंदे के साथ समस्या यह है कि अगर वह भाजपा के सामने ज्यादा झुकते हुए दिखते हैं तो उनके सांसद और नेता उद्धव ठाकरे खेमे का रूख कर सकते हैं और अगर वह भाजपा के सामने कठोर बनते हैं तो गठबंधन टूटने का खतरा सामने खड़ा है। इसलिए भाजपा महाराष्ट्र की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों का पूरा लाभ उठाना चाहती है और ऐसे में अधिक से अधिक सीटों पर लड़ने की योजना पर काम कर रही है। राष्ट्रीय स्वयसेवक संघ भी नहीं चाहता कि एकनाथ शिंदे और अजीत पवार को कुछ ज्यादा स्पेस महाराष्ट्र में दिया जाए। भाजपा की रणनीति लोकसभा चुनाव के लिए महाराष्ट्र में बड़ा भाई बनने और उसके बाद होने वाले विधानसभा चुनाव में एकनाथ शिंदे और अजीत पवार को सम्मानजनक सीटों के साथ जोड़े रखने की है।

योगीराज में साल दर साल सशक्त हुई मातृशक्ति, साकार हो रहा महिला सुरक्षा

महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलम्बन सुनिश्चित करने के संकल्प के साथ प्रदेश की योगी सरकार की कोशिशों के सकारात्मक नतीजे मिलने लगे हैं। स्वावलम्बन की बात करें तो पीरियॉडिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के रिपोर्ट के अनुसार, राज्य की महिला श्रम बल में भागीदारी दर 2017-18 में 14.2 प्रतिशत से बढ़कर 2022-23 में 32.10 प्रतिशत हो गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य में महिलाओं के उत्थान के लिए समर्पित प्रयास किए गए, जिसके परिणामस्वरूप यह वृद्धि हुई है। मुख्यमंत्री की निजी तौर पर निगरानी ने एक ऐसा माहौल तैयार किया है जहां महिलाएं सुरक्षित और सम्मानित महसूस कर रही हैं, जो उन्हें अभूतपूर्व गति से आत्मनिर्भरता की ओर प्रेरित करती है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में महिला श्रम बल भागीदारी दर 39.80 प्रतिशत दर्ज की, जबकि उत्तर प्रदेश ने 32.10 प्रतिशत की दर दर्ज की. इसके विपरीत, वित्तीय वर्ष 2017-18 में, भारत की महिला श्रम बल भागीदारी दर 25.3 प्रतिशत थी, जबकि यूपी 14.2 प्रतिशत के साथ काफी पीछे था। पिछले 07 वर्ष में योगी सरकार की नीतियों की समीक्षा करें तो %महिला सशक्तिकरण% शासन की शीर्ष प्राथमिकता के रूप में साफ दिखाई देता है। रोजगार के लिए जो योजनाएँ शुरू की गईं, उसमें महिलाओं को बराबर का भागीदार बनाया जा रहा है। मुद्रा योजना आज गांव-गांव में, गरीब परिवारों से भी नई-नई महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित कर रही है। इस योजना के तहत पूरे देश मिले कुल ऋण में से लगभग 70 प्रतिशत महिलाओं को दिए गए हैं। दीनदयाल अंत्योदय योजना के जरिए भी देश भर में महिलाओं को सेल्फ हेल्प ग्रुप्स और ग्रामीण संगठनों से जोड़ा जा रहा है। योगी सरकार ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को पूरक पुष्टाहार तैयार करने की जिम्मेदारी देकर न केवल संगठित भ्रष्टाचार से निजात दिलाई, बल्कि महिलाओं के एक बड़े वर्ग को आर्थिक स्वावलम्बन से भी जोड़ा। राष्ट्रीय आजीविका मिशन के तहत 2014 से पहले के 5 वर्षों में जितनी मदद दी गई, बीते 7 साल में उसमें लगभग 13 गुणा बढ़ोतरी की गई है। हर सेल्फ हेल्प ग्रुप को पहले जहां 10 लाख रुपए तक का बिना गारंटी का ऋण मिलता था, अब ये सीमा भी दोगुनी यानि 20 लाख की गई है। राज्य में 80 हज़ार राशन दुकानों में महिला स्वयं सहायता समूह की अहम भूमिका है। दीनदयाल अंत्योदय योजना, जो ग्रामीण गरीब महिलाओं के लिए क्षमता निर्माण और विविध आजीविका के अवसर पैदा करने पर ध्यान देने के साथ ग्रामीण गरीबों को स्व-शासित संस्थानों में संगठित करती है। इस मिशन ने महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना के माध्यम से सफल प्रगति की है और किसानों के रूप में महिलाओं की भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया है। सामुदायिक एकजुटता और महिलाओं की संस्थाओं के निर्माण के चरण से आगे बढ़ते हुए, अब ध्यान एसएचजी महिलाओं को उत्पादक समूहों, एफपीओ और निर्माता कंपनियों के माध्यम से उच्च क्रम की आर्थिक गतिविधियों में शामिल करने पर है। महिला सुरक्षा के लिए योगी सरकार की नीतियां पूरे देश में सराही जा रही हैं। महिलाओं और बच्चों से जुड़े अपराध में सजा दिलाने में यूपी पूरे देश में सर्वश्रेष्ठ प्रदेश बनकर उभरा है। महिलाएं रात की पाली में भी काम कर सकें, इसके लिए नियमों को आसान बनाने का काम सरकार ने किया। खदानों में महिलाओं के काम करने पर जो कुछ बंदिश थी, वो सरकार ने हटाई है। देशभर के सैनिक स्कूलों के दरवाजे, लड़कियों के लिए खोल देने का काम होना ऐतिहासिक है। बलात्कार जैसे संगीन अपराधों की तेज़ सुनवाई के लिए उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने 218 फास्ट ट्रैक कोर्ट्स स्थापित किए हैं। बालिकाओं को शिक्षा के अवसर प्रदान करने के लिए संचालित मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत मिलने वाली सहायता राशि हाल ही में रू. 15 हजार से बढ़ाकर रू. 25 हजार कर दिया गया है। योजना से अब तक 18.66 लाख बेटियां लाभान्वित हुई हैं।

दूसरों की सेहत और अपना कैरियर बनाइए?

फिटनेस सेंटरों के बढ़ने से फिटनेस ट्रेनरों, फिटनेस इंस्ट्रक्टर की मांग भी दिनोदिन बढ़ती जा रही है। इस क्षेत्र में भी युवाओं के लिए करियर अवसर उपलब्ध हैं।

बढ़ते कॉर्पोरेट कल्चर और तेज रफ्तार होती जिंदगी में लोग अपनी सेहत के प्रति बहुत ही सजग हो गए हैं। बीमारियों के बढ़ते खतरे से वे अपनी सेहत की चिंता पहले से अधिक करने लगे हैं। इसके लिए वे फिटनेस सेटरों का सहारा लेते हैं।

कॉर्पोरेट कंपनियां भी मान चुकी हैं कि कर्मचारियों की सेहत का ध्यान रखा जाना बहुत ज़रूरी है, इसलिए कई बड़ी कंपनियां अपने कर्मचारियों के लिए नियमित चेकअप कैम्प लगवाती हैं। इसके अलावा उनके लिए जिम और खाने के लिए अन्य पौष्टिक खानों की कोई कमी नहीं आने दी जाती। कई कंपनियों में एक फिज़िकल ट्रेनर भी होता है।

लोगों के बढ़ते रुझान से फिटनेस सेटरों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। फिटनेस सेंटरों के बढ़ने से फिटनेस ट्रेनरों, फिटनेस इंस्ट्रक्टर की मांग भी दिनोदिन बढ़ती जा रही है। इस क्षेत्र में भी युवाओं के लिए करियर अवसर उपलब्ध हैं।

रोजगार के अवसर- खेल और बॉडी बिल्डिंग में रुचि रखने वाले युवा इसके साथ कम्प्यूटर, तकनीकी और किताबी ज्ञान हासिल कर बेहतर करियर बना सकते हैं। फिटनेस के क्षेत्र में अब पहले से ज्यादा अवसर उपलब्ध हैं। कई सारी कॉम्पिटिन्स भी होने लगी है, जिनमें ?जीत हासिल कर बेहतर करियर बनाया जा सकता है। देश के सभी शहरों में नेशनल लेवल के जिमों की संख्या बढ़ रही है।

इस क्षेत्र में युवाओं को आकर्षक वेतन तो मिलता ही है। साथ दूसरों को फिटनेस की ट्रेनिंग के साथ स्वयं का शरीर भी स्वस्थ और स्फूर्तिवान रहता है। इसके फिटनेस सेंटरों में फिटनेस मैनेजर एक बहुत ही अच्छा पद होता है। इसके अलावा आजकल बड़ी-बड़ी फिल्मी हस्तियां भी अपना पर्सनल फिटनेस ट्रेनर रखती हैं।

जो युवा स्वयं को फिट रखने के साथ ही दूसरों को फिट रखना चाहते हैं, उनके लिए यह एक अच्छा करियर क्षेत्र है। इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए कोई विशेष योग्यता की आवश्यकता तो नहीं है, लेकिन एक्सरसाइज साइंस या फिजिकल एजुकेशन में बैचलर या मास्टर डिग्री धारियों को सेंटर्स प्राथमिकता देते हैं।

पुणे स्थित सिम्बायोसिस इंस्टिट्यूट ऑफ हेल्थ साइंस और मुंबई की गोल्ड्स जिम यूनिवर्सिटी से फिटनेस मैनेजमेंट में डिप्लोमा कोर्स किया जा सकता है। ग्रेज्युएट या पोस्ट ग्रेज्युएट युवा जो शारीरिक रूप से फिट हैं उनके लिए यह असीम संभावनाओं वाला क्षेत्र हो सकता है।

अनुभव, समग्र जानकारी का होना, बेहतरीन कम्युनिकेशन स्किल ऐसी बातें हैं जिनसे आप इस क्षेत्र में एक सफल करियर बना सकते हैं। तो हो जाइए तैयार दूसरों की सेहत और अपना करियर बनाने के लिए।

फिटनेस संबंधी कोर्स आप इन संस्थानों से कर सकते हैं-

- इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोटर्स साइंस, दिल्ली।
- लक्ष्मीबाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन।
- साई, एनएस साउथ सेंटर, यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु।
- साई, एनएस ईस्टन सेंटर, साल्ट लेक सिटी, कोलकाता।

सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहें हैं, तो जरूर रखें इन बातों का ख्याल, वरना हो सकता है बड़ा नुकसान

देश में लाखों युवा सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन उनमें सिर्फ कुछ लोगों का ही चयन हो पाता है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि कई बार उम्मीदवार या तो फॉर्म भरने में कोई गलती कर देते हैं या फिर उन्हें पूरी जानकारी नहीं होती है। ऐसे में अगर आप भी सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं तो आपको कुछ बातों का विशेष ख्याल रखना चाहिए, अन्यथा हाथ में आई सरकारी नौकरी से भी हाथ धोना पड़ सकता है।

आधिकारिक अधिसूचना देखें

किसी भी परीक्षा की पूरी जानकारी के लिए हमेशा आधिकारिक अधिसूचना ही देखें। और उसे पूरा पढ़ें, क्योंकि सही और विस्तृत जानकारी वहीं मिलेगी। कई बार अलग- अगल वेबसाइट पूरी जानकारी नहीं देते हैं और लोग आधी-अधूरी जानकारी के साथ आवेदन करने लगते हैं, जिससे उन्हें आवेदन करने में दिक्कत आती है।

विश्वसनीय जानकारी

अगर आप को किसी भी भर्ती के बारे में खबर मिलती है, तो सबसे पहले पड़ताल कर लें कि यह जानकारी सही भी है या नहीं और अधिसूचना हमेशा सरकारी वेबसाइट पर ही देखें। किसी भी वेबसाइट पर भरोसा न करें। आजकल कई ऐसी वेबसाइट हो गई हैं, जो दिखने में सरकारी वेबसाइट जैसी होती हैं, लेकिन ऐसा होता नहीं है और लोग धोखा खा जाते हैं।

समय पर आवेदन

लास्ट मिनट में अप्लाई करने से बचें, क्योंकि जल्दबाजी में आवेदन करते समय गलतियां भी हो सकती हैं, इसलिए आवेदन प्रक्रिया शुरू होते ही समय सीमा के भीतर ही आवेदन कर दें। लास्ट मिनट में सर्वर डाउन जैसी अन्य समस्याएं आने लगती हैं।

किसी के झांसे में न फंसें

सरकारी नौकरी को लेकर कई ऐसे लोग होते हैं, जो आपको नौकरी दिलाने का दावा करते हैं और शॉर्ट कट रास्ता बताते हैं। याद रखें सरकारी नौकरी शॉर्ट कट से नहीं बल्कि, कड़ी मेहनत के बल पर हासिल की जाती है।

पीसीएस प्री 2024 स्थगित, अब जुलाई में होगी परीक्षा, 220 पदों पर होनी है भर्ती

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने 17 मार्च को प्रस्तावित सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (पीसीएस) प्रारंभिक परीक्षा-2024 अपरिहार्य करणों से स्थगित कर दी है। यह परीक्षा अब जुलाई में संभावित है, जिसकी तिथि बाद में घोषित की जाएगी।पीसीएस परीक्षा-2024 के तहत 220 पदों पर भर्ती के लिए 574538 अभ्यर्थियों ने आवेदन किए हैं। समीक्षा अधिकारी (आरओ)/सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) प्रारंभिक परीक्षा-2023 में पेपर लीक होने के बाद यह आशंका जताई जा रही थी कि पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा-2024 को टाला जा सकता है। आयोग ने जब परीक्षा से 11 दिन पहले तक अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र जारी नहीं किए, तब इस आशंका को और बल मिल गया। आयोग ने अभ्यर्थियों की आशंका का समाधान करते हुए बृहस्पतिवार को पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा स्थगित करने की घोषित कर दी।

ग्रुप डिस्कशन में इन गलतियों से सीखें

अगर कभी असफलता मिली है तो उससे सबक लेने की जरूरत है। जो लोग अपनी गलतियों से सीखते हैं और उन्हें न दोहराने का संकल्प लेते हैं, सही मायनों में तरक्की उन्हें ही मिलती है। जीडी कई क्षेत्र की नौकरियों के लिए उम्मीदवारों की स्क्रीनिंग का महत्वपूर्ण चरण है। आठ से बारह लोगों के बीच अपनी बात को रखना हर किसी के लिए आसान नहीं होता।

जीडी यानी ग्रुप डिस्कशन, नौकरी पाने में अहम भूमिका निभाता है। इन दिनों टेलीफोन इंटरव्यू के बाद सीधे ग्रुप डिस्कशन के माध्यम से नौकरी पर रखे जाने का भी ट्रेंड है।

ग्रुप डिस्कशन (जीडी) में किसी गलती की आशंका से कम बोलना या फिर चुप रहना उचित नहीं है। पहले कभी जीडी में मिली नाकामी से डर कर नई कोशिश न करना भी गलत है। अगर कभी असफलता मिली है तो उससे सबक लेने की जरूरत है। जो लोग अपनी गलतियों से सीखते हैं और उन्हें न दोहराने का संकल्प लेते हैं, सही मायनों में तरक्की उन्हें ही मिलती है। जीडी कई क्षेत्र की नौकरियों के लिए उम्मीदवारों की स्क्रीनिंग का महत्वपूर्ण चरण है। आठ से बारह लोगों के बीच अपनी बात को रखना हर किसी के लिए आसान नहीं होता। ऐसे में गलतियों का होना स्वाभाविक है, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि गलती हो जाने की आशंका से जीडी में कम बोला जाए या फिर चुप ही रहा जाए। जीडी में सफल होना है तो इन बातों को जानना आवश्यक है-

डिस्कशन में देर से शामिल न हों

जीडी के लिए सीमित समय दिया जाता है। इसी समय में सभी उम्मीदवारों को अपने विचार रखने होते हैं। ऐसे में यदि आप यह सोच कर बैठे रहते हैं कि पहले सामने वाला व्यक्ति बोले, इसके बाद मैं अपने विचार रखूंगा तो समझ लें कि आप अपनी बारी का इंतजार ही करते रह जाएंगे। इस सीमित समय को अपनी पारी के इंतजार में खोने से अच्छा है, मौका तलाश कर बोलना। जीडी में डिस्कशन की शुरुआत करने वाले को हमेशा लाभ मिलता है, इसलिए कोशिश करें कि जीडी में सबसे पहले या दूसरे नंबर पर ही बोलें। यहां जो व्यक्ति सबसे अंत में बोलता है, उसके लिए यह माना जाता है कि उसने सभी को सुनने के बाद अपने विचार बनाए हैं। और वह जो कुछ भी बोल रहा है, वो उसके अपने विचार नहीं हैं। जीडी में मिलने वाले पांच से दस मिनट के समय में टू द प्वॉइंट बोलने का प्रयत्न करें।

भाषा नहीं, विचारों पर जोर दें

ग्रुप डिस्कशन है तो फर्राटेदार इंग्लिश ही बोलनी पड़ेगी, ऐसी मान्यता ठीक नहीं है। हां, यह सही है कि कुछ संस्थान सिर्फ इंग्लिश में ही ग्रुप डिस्कशन का आयोजन करते हैं। अंग्रेजी कमजोर है, इस बात को दिल से लगा कर निराश होने या आत्मविश्वास कम करने की जरूरत नहीं है। कई बड़े संगठन ऐसे भी हैं, जो भाषा को नहीं, बल्कि उम्मीदवार के विचारों को अहमियत देते हैं। वे हिंदी या अंग्रेजी, दोनों ही भाषाओं में अपनी बात रखने का मौका देते हैं। इसका फायदा उठाते हुए आप अपनी मजबूत पकड़ वाली भाषा में विचार रख कर बाजी को अपने हक में कर सकते हैं।

खुद को कम न समझें

डिस्कशन में खुद को दूसरे से कम आंकना सही नहीं है। यह सोच कर अपना आत्मविश्वास कम न करें कि सामने वाले उम्मीदवार कद-काठी, लुक, स्मार्टनेस या बोलचाल में आपसे बढ़ कर हैं। यह जरूरी नहीं कि जो व्यक्ति आपसे ज्यादा स्मार्ट नजर आ रहा है, वह अपनी बात भी उतनी ही स्मार्टनेस के साथ रखेगा। जीडी में सफलता पूरी तरह से टाइमिंग, आत्मविश्वास, विचारों की स्पष्टता, प्रेजेंटेशन और सही टेक्निक पर निर्भर करती है, न कि इस बात पर कि आप कैसे दिखते हैं।

दूसरों की बात न काटें

ग्रुप डिस्कशन में हर कोई बहुत ही आक्रामक तरीके से अपनी बात रखता है, लेकिन यहां एक सीमा में रह कर ही आक्रामक होना चहिए। सामने वाला व्यक्ति अगर गलत बोल रहा है तो इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि आप उस पर हावी हो जाएं या आक्रोश में अनाप-शनाप बोलने लगें। यदि किसी व्यक्ति ने बड़ी ही मजबूती के साथ अपना पक्ष रखा है तो उस व्यक्ति की बातों को सीधे-सीधे काटना या उसे गलत ठहराना उचित नहीं है। ऐसा व्यवहार करना शिष्टाचार और अनुशासन के भी खिलाफ है। ऐसी परिस्थिति में आप कह सकते हैं कि इस मुद्दे पर मेरा नजरिया आपसे अलग है। फिर अपने दिमाग की रचनात्मकता का प्रयोग करते हुए अपने विचारों को रखें। इस दौरान उन पहलुओं पर भी प्रकाश डालें, जहां आपका नजरिया पहले बोलने वाले उम्मीदवारों की बातों से अलग हो। ऐसा करने से सामने वाले को बुरा भी नहीं लगेगा और जीडी की निर्णायक मंडली की नजर में आपका प्रदर्शन भी बेहतर हो जाएगा।

बातों को न दोहराएं

अपनी बारी आने पर दूसरों की कही बातों को दोहराना हमेशा नकारात्मक प्रभाव छोड़ता है। इससे नियोक्ताओं को लगता है कि आप वही विचार रख रहे हैं, जिसे वह कुछ समय पहले ही सुन चुके हैं। जीडी का उद्देश्य किसी विषय या मुद्दे पर नए तथ्यों और नए नजरिए को सामने लाना होता है। अगर आपके बोलने से यह उद्देश्य ही पूरा नहीं होगा तो निश्चित रूप से आपका बोलना व्यर्थ हो जाएगा।

उतावलापन न दिखाएं

ग्रुप डिस्कशन में नियोक्ताओं पर अपना प्रभाव डालने के लिए यह जरूरी नहीं कि डिस्कशन में सबसे पहले बोला जाए। पहले नंबर पर बोलने की हड़बड़ी में मन में जो आए, उसे बिना सोचे-विचारे बोलना भी नकारात्मक प्रभाव छोड़ता है। ध्यान रहे यहां घबराहट में कुछ भी या ज्यादा बोलना हमेशा ही आपके प्रदर्शन के प्रतिकूल होता है, इसलिए ऐसा करने से बचना चाहिए। इसके अलावा कुछ लोग अपनी बात कहने में इतना उतावलापन दिखाते हैं कि अकसर मुद्दे से भटक जाते हैं। जीडी में जितना हो सके, कम शब्दों में, स्पष्ट और प्रभावशाली ढंग से अपनी बात को रखें। इससे दूसरे उम्मीदवारों को आपकी बातों को काटने के लिए कोई ठोस आधार नहीं मिल सकेगा।

कैसे रहेंगे एक कदम आगे

जीडी में कैसे बोलना है, क्या बोलना है, उसकी तैयारी तो सभी करके आते हैं, लेकिन उन जरूरी बिन्दुओं को भूल जाते हैं, जहां फोकस कर दूसरों से रेस में आगे निकला जा सकता है। जीडी के दौरान नियोक्ताओं की नजर इस बात पर रहती है कि आप नए तथ्यों को कैसे रखते हैं, बातों में नए पहलू कैसे तलाशते हैं, कैसे डिस्कशन को सही दिशा देते हैं और किस तरह कई लोगों के बीच अपनी बात पर आम राय बनवाते हैं। जब आप यह सब करने में सफल होते हैं तो इसके अतिरिक्त अंक मिलते हैं। यह सब आपकी बेहतरीन तार्किक क्षमता को भी दर्शाता है। नियोक्ताओं के बीच अपनी बुद्धिमत्ता का लोहा मनवाने के लिए दिए गए टॉपिक में एक नए नजरिया और नए मुद्दे का सृजन करना बहुत जरूरी है।

सफलता मिलेगी ऐसे

जीडी में यह मानकर जाएं कि यहां आप कुछ खोने नहीं जा रहे हैं। जीडी में इस सोच के साथ जाएं कि यदि सफल रहे तो बहुत अच्छा, पर यदि असफल रहे तो भी कुछ अनुभव लेकर तो जरूर लौटेंगे। यही सोच और आत्मविश्वास आपको सफलता दिलाएंगे।

देश-दुनिया की खबर

जीडी में अकसर करंट अफेयर्स के टॉपिक होते हैं। इसलिए बीते कुछ समय में देश-दुनिया में क्या कुछ घटा है या फिर क्या कुछ घट रहा है, इसकी पूरी और सही जानकारी रखें। साथ ही उस मुद्दे के संदर्भ में अपनी एक राय भी बना लें। जीडी में जाने से दस दिन पहले की खबरों पर खास नजर रख कर आप बड़े आराम से जीडी में सफल हो सकते हैं।

सक्रिय रहें

जीडी में सफल होने के लिए आपका प्रोएक्टिव यानी सक्रिय होना बहुत आवश्यक है। कोशिश करें कि डिस्कशन की शुरुआत और उसके समापन का मौका आपको ही मिले।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

राष्ट्रपति ने राज्यसभा के लिए सुधा मूर्ति को मनोनीत किया

नई दिल्ली। इंफोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति की पत्नी एवं समाजसेवी सुधा मूर्ति को राष्ट्रपति ने राज्यसभा के लिए मानोनीत किया है राष्ट्रपति ने राज्यसभा के लिए मानोनीत किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें बधाई देते हुए उनके सफल संसदीय कार्यकाल की कामना की है। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, मुझे खुशी है कि भारत के राष्ट्रपति ने सुधा मूर्ति जी को राज्यसभा में नामांकित किया है। सामाजिक कार्य, परोपकार और शिक्षा सहित विविध क्षेत्रों में सुधा जी का योगदान अतुलनीय और प्रेरणादायक रहा है। राज्यसभा में उनकी उपस्थिति हमारी नारी शक्ति का एक शक्तिशाली प्रमाण है, जो हमारे देश की नियति को आकार देने में महिलाओं की ताकत और क्षमता का उदाहरण है। उनके सफल संसदीय कार्यकाल की कामना करता हूं। बता दें कि सुधा मूर्ति इंफोसिस फाउंडेशन की अध्यक्ष भी हैं। 2006 में उन्हें भारत सरकार द्वारा सामाजिक कार्यों के लिए चौथे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म श्री से सम्मानित किया गया था।

पीएम ने महिला सशक्तिकरण को सही दिशा दी : राज्यपाल

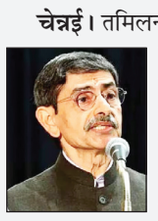

चेन्नई। तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि ने शुक्रवार को महिला दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की। उन्होंने कहा कि आज पीएम मोदी ने महिलाओं के प्रति देश के नजरिये और नीति को बदलकर रख दिया है। रवि ने यहां राजभवन में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर कहा कि प्रधानमंत्री ने राष्ट्रवादी कवि सुब्रमण्यम भारती के महिला मुक्ति के सपने को पूरा किया। उन्होंने आगे कहा, मैं अपनी माताओं और बहनों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और हम महिलाओं के लिए एक समावेशी, न्यायसंगत और सुरक्षित वातावरण बनाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। संगम युग की तमिल संत-कवयित्री अव्वैयार को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उन्होंने कहा कि वह महिलाओं के नेतृत्व के लिए एक शानदार उदाहरण हैं। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं के प्रति देश के नजरिये और नीति को बदलकर रख दिया है।

लोकसभा के लिए आप के चुनावी अभियान की शुरुआत

नईदिल्ली। आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अपने पंजाब समकक्ष भगवंत मान के साथ शुक्रवार को यहां पार्टी के लोकसभा चुनाव अभियान की शुरुआत कर दिया है। पार्टी के एक सदस्य ने कहा कि दोनों दोपहर में डीडीयू मार्ग स्थित पार्टी मुख्यालय से आप के अन्य नेताओं और कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में अभियान शुरू किया। दिल्ली में लोकसभा चुनाव के लिए चुनावी अभियान की शुरुआत करते हुए संसद में भी केजरीवाल तो दिल्ली होगी और खुशहाल का नारा दिया है। आप दिल्ली, गुजरात और हरियाणा में सीट बंटवारे के समझौते के तहत इंडिया ब्लॉक पार्टनर कांग्रेस के साथ मिलकर आम चुनाव लड़ेगी। हालाँकि, पंजाब में दोनों दलों ने स्वतंत्र रूप से लोकसभा चुनाव लड़ने का फैसला किया है।

सीबीआई ने शाहजहां शेख के आवास पर छापेमारी की

कोलकाता। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के अधिकारियों ने पश्चिम बंगाल के संदेशाखालि में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के एक दल पर हमले की जांच के सिलसिले में निलंबित तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता शाहजहां शेख के आवास पर शुक्रवार को छापे मारे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सीबीआई ने हमले के संबंध में सबूत इकट्ठा करने के लिए संदेशखालि स्थित सरबेरिया के अकुंचीपारा इलाके में शाहजहां के आवास के पास के इलाकों का भी दौरा किया। शेख को राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस से निलंबित कर दिया गया है। उन्हें पांच जनवरी को पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखालि में प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों पर भीड़ द्वारा उस समय हमला किए जाने संबंधी मामले में गिरफ्तार किया गया जब अधिकारी कथित राशन घोटाले से जुड़े मामले के सिलसिले में उनके आवास परिसर गए थे।

शिक्षक भर्ती घोटाले मामले में बंगाल में ईडी की दबिश

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल में शिक्षक भर्ती घोटाले की जांच के सिलसिले में शुक्रवार सुबह कोलकाता और उसके आसपास इलाकों में कई स्थानों पर छापेमारी की। बताया गया कि कि ईडी की पांच सदस्यीय टीम कोलकाता के पास न्यू टाउन के पथरघाटा मजार शरीफ इलाके में एक पूर्व पैरा-शिक्षक के आवास पर तलाशी ले रही है। उन्हें कथित तौर पर पूर्व राज्य शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी का करीबी बताया गया। पार्थ इसी मामले में जेल में हैं। अधिकारियों ने बताया कि शहर के उत्तरी हिस्से में नागेरबाजार इलाके में एक अकाउंटेंट के घर पर भी तलाशी चल रही है। ईडी ने राजारहाट इलाके में कथित तौर पर घोटाले में शामिल कुछ व्यवसायियों, शिक्षकों और बिचौलियों के आवासों पर भी तलाशी ली। छापेमारी करोड़ों रुपये के घोटाले में धन के लेनदेन का पता लगाने के लिए ईडी की जांच का हिस्सा है।

इंडिया गठबंधन को जम्मू-कश्मीर में झटका?

उमर अब्दुल्ला ने पीडीपी के साथ सीट शेयरिंग डील को खारिज कर दिया

श्रीनगर। लोकसभा चुनाव करीब आने के साथ, जम्मू और कश्मीर में इंडिया ब्लॉक के घटक दलों पीडीपी के बीच दरार तब दिखाई देने लगी जब नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के नेता उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को सीट बंटवारे की किसी भी संभावना को खारिज कर दिया। अब्दुल्ला की घोषणा से केंद्रशासित प्रदेश में इंडिया ब्लॉक के भविष्य पर नई अटकलें शुरू हो गईं क्योंकि पीडीपी पहले ही घोषणा कर चुकी है कि वह अपने दम पर चुनाव लड़ेगी।

अब्दुल्ला ने शुक्रवार को श्रीनगर में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा मैं आपको पहले ही बता चुका हूं कि जो पार्टी नंबर 3 पर है उसे सीट मांगने का कोई अधिकार नहीं है। आज पीडीपी के साथ कितने लोग हैं जो उन्हें तीसरे स्थान पर लाए? अगर मुझे इंडिया ब्लॉक गठबंधन में शामिल होने से पहले बताया गया होता कि हमें गठबंधन के किसी अन्य सदस्य के लिए खुद को कमजोर करना होगा, तब मैं कभी भी भारत गठबंधन में शामिल नहीं होता।

एनसी का खंडन पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती द्वारा पहले की गई घोषणा के बाद आया है कि पार्टी अकेले चुनाव लड़ेगी। उन्होंने आगे कहा कि पार्टी जल्द ही जेके की 5 सीटों के साथ-साथ केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख की 1 सीट पर उम्मीदवारों के नामों की घोषणा करेगी। पीडीपी के सुहैल बुखारी ने कहा, चूंकि उन्होंने (नेशनल कॉन्फ्रेंस) पहले ही निर्णय ले लिया है... हम इस पर चर्चा करेंगे। विचार-विमर्श होगा और भविष्य की कार्रवाई का फैसला (जल्द ही) किया जाएगा।

बुखारी की प्रतिक्रिया एनसी अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला की पहले की टिप्पणी पर आई, जिन्होंने यह स्पष्ट कर दिया था कि पार्टी अकेले चुनाव में जाएगी। उन्होंने पिछले महीने कहा था, जहां तक सीट बंटवारे का सवाल है, मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि एनसी अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। इस पर कोई सवाल नहीं होना चाहिए... इस बीच, लालू प्रसाद यादव को उनके मोदी का परिवार तंज पर सलाह देते

हुए, जिसने एक नया विवाद खड़ा कर दिया और बीजेपी को विपक्ष पर हमला करने का मौका दे दिया, अब्दुल्ला ने कहा कि विपक्ष के नेताओं को ऐसी टिप्पणी करने से बचना चाहिए।

अब्दुल्ला ने कहा मैं कभी भी ऐसे नारों के पक्ष में नहीं रहा हूं और हमें उनसे कभी कोई फायदा नहीं हुआ है। जब भी हम ऐसे नारे लगाते हैं तो इससे हमें नुकसान होता है। मतदाता इन सबसे प्रभावित नहीं होते हैं, वे जानना चाहते हैं कि वर्तमान में वे जिन मुद्दों का सामना कर रहे हैं उनका क्या होगा। अब्दुल्ला ने कहा, इस तरह के बयान देकर हम सेल्फ गोल करते हैं या गोलकीपर को हटाते हैं और पीएम मोदी को गोल करने देते हैं।

कांग्रेस की आयकर विभाग की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली। आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण (आईटीएटी) ने कांग्रेस पार्टी की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें आयकर विभाग की ओर से की गई टैक्स वसूली की कार्रवाई पर रोक लगाने और पार्टी के बैंक खातों पर लगी रोक को हटाने की मांग की गई थी। कांग्रेस की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तनखा ने आदेश को 10 दिनों के लिए स्थगित रखने का अनुरोध किया ताकि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी) उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटा सके। हालांकि, पीठ ने इसे यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया कि हमारे सामने ऐसा कोई प्रावधान या अनुरोध नहीं है। गौरतलब है कि कुछ समय पूर्व पार्टी के प्रवक्ता अजय माकन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि आयकर विभाग ने 2018-19 के आयकर रिटर्न के आधार पर कांग्रेस और यूथ कांग्रेस के खातों को फ्रीज कर दिया है। उन्होंने कहा कि आयकर विभाग ने इन दोनों खातों से 210 करोड़ रुपये की रिकवरी का भी आदेश दिया है। उन्होंने कहा कि हमारे अकाउंट में जो भी क्राउडफंडिंग से जुटाई गई राशि है, उसे हमारी पहुंच से दूर कर दिया गया है। माकन ने कहा था कि चुनाव के एलान से महज दो हफ्ते पहले ही विपक्षी पार्टी का अकाउंट फ्रीज कर दिया गया। यह लोकतंत्र को फ्रीज करने जैसा है। माकन ने बताया कि इस खाते में एक महीने की सैलरी भी दी है। हमने आयकर विभाग को उन दानकर्ताओं के नाम भी दिए हैं। माकन ने कहा, हमें एक दिन पहले ही जानकारी मिली थी कि बैंकों को हम जो चेक भेज रहे थे, उनका निपटारा नहीं हो पा रहा था। जांच पर पता चला कि यूथ कांग्रेस का बैंक अकाउंट फ्रीज कर दिया गया है। इसके साथ ही कांग्रेस पार्टी के खाते भी बंद होने की बात सामने आई। कुल चार अकाउंट फ्रीज किए गए हैं। आयकर विभाग की तरफ से बैंकों को यह निर्देश दिया गया है कि हमारे कोई भी चेक स्वीकार न करें और हमारे खातों में जो भी राशि है उसे रिकवरी के लिए रखा जाए। उसके बाद कांग्रेस पार्टी ने आईटीएटी में अपील दायर की थी।

प्रधानमंत्री असम, अरुणाचल, बंगाल और उप्र का दौरा करेंगे

मोदी आज कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस सप्ताहांत असम, अरुणाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश का दौरा करेंगे और इस दौरान कई कार्यक्रमों में भाग लेंगे तथा करोड़ों रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यस करेंगे।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने शुक्रवार को एक बयान में यह जानकारी दी। पीएमओ के अनुसार, प्रधानमंत्री शुक्रवार रात को असम पहुंच जाएंगे और अगले दिन शनिवार की सुबह काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान का दौरा करेंगे। यहां से प्रधानमंत्री अरुणाचल के ईटानगर के लिए रवाना होंगे, जहां वह 'विकसित भारत, विकसित उत्तर पूर्व' कार्यक्रम में भाग लेंगे। वह सेला सुरंग राष्ट्र को समर्पित करेंगे और लगभग 10,000 करोड़ रुपये की उन्नति योजना की शुरुआत भी करेंगे।

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मणिपुर, मेघालय, नगालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा और अरुणाचल प्रदेश में लगभग 55,600 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास भी करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री दोपहर करीब सवा बारह बजे असम के जोरहाट में प्रसिद्ध अहोम सेनापति लाचित बोरफुकन की भव्य प्रतिमा का अनावरण करेंगे। वह जोरहाट में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में भी भाग लेंगे और असम में 17,500 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, समर्पण और आधारशिला रखेंगे।

इसके बाद, प्रधानमंत्री पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी की यात्रा करेंगे और लगभग 3:45 बजे एक सार्वजनिक कार्यक्रम में भाग लेंगे। वह पश्चिम बंगाल में लगभग 4,500 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। यहां से शाम करीब सात बजे प्रधानमंत्री अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंचेंगे और वहां काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन एवं पूजा करेंगे।

अगले दिन 10 मार्च को दोपहर लगभग 12 बजे प्रधानमंत्री एक सार्वजनिक कार्यक्रम में भाग लेंगे, जहां वे उत्तर प्रदेश में 42,000 करोड़ रुपये से अधिक की अनेक विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री वीडियो कांफ्रेंस के जरिये छत्तीसगढ़ में महतारी वंदना योजना की पहली किस्त वितरित करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर नारी शक्ति को बधाई दी और उनकी ताकत, साहस और दृढ़ता को सलाम किया और विभिन्न क्षेत्रों में उनकी उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने कहा, ''हमारी सरकार शिक्षा, उद्यमिता, कृषि, प्रौद्योगिकी और अन्य क्षेत्रों में पहल के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह पिछले दशक की हमारी उपलब्धियों में भी परिलक्षित होता है।'' प्रधानमंत्री ने एक के बाद एक पोस्ट में केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का जिक्र किया और इससे महिलाओं को मिल रहे लाभ को रेखांकित किया। पीएम स्वनिधि योजना का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि इससे गरीब से गरीब कामगारों के जीवन में भी खुशियां आई हैं और इनमें बड़ी संख्या में माताएं-बहनें भी शामिल हैं।

खेल
प्रमुख समाचार

भारत की दूसरे दिन के बाद स्कोर 473/8, 255 रन की बढ़त

धर्मशाला। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आखिरी मुकाबला धर्मशाला में खेला जा रहा है। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक टीम इंडिया ने अपनी पहली पारी में आठ विकेट गंवाकर 473 रन बना लिए हैं। फिलहाल कुलदीप यादव 27 और जसप्रीत बुमराह 19 रन बनाकर नाबाद हैं। इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 218 रन बनाए थे। ऐसे में टीम इंडिया की बढ़त 255 रन की हो चुकी है। भारतीय टीम इस बढ़त को तीसरे दिन और आगे बढ़ाना चाहेगी।

शुक्रवार को पहले सत्र में भारत ने 30 ओवर में 129 रन बनाए और कोई विकेट नहीं गंवाया। यह इस सीरीज में पहली बार रहा जब किसी टीम ने 100 से ज्यादा रन बनाए और कोई विकेट नहीं गंवाया। इसके बाद दूसरे सत्र (लंच से चायकाल तक) में भारत ने 24 ओवर में 4.67 के रन रेट से 112 रन बनाए और दो विकेट गंवाए। चायकाल के बाद तीसरे सत्र में भारत ने 36 ओवर में 97 रन बनाए और पांच विकेट गंवा दिए।

गुरुवार को यशस्वी जायसवाल 57 रन बनाकर आउट हुए थे। भारत ने दूसरे दिन एक विकेट पर 135 रन से आगे खेलना शुरू किया और पूरा दिन खेलकर 338 रन जोड़े और सात विकेट गंवाए। रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने शतक जड़े। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 171 रन की साझेदारी निभाई और भारत को 250 के पार पहुंचाया। रोहित ने टेस्ट करियर का 18वां शतक और शुभमन ने चौथा शतक लगाया। दोनों का यह इस सीरीज का दूसरा शतक था। इस साझेदारी को बेन स्टोक्स ने तोड़ा। नौ महीने बाद गेंदबाजी के लिए आए स्टोक्स ने इस सीरीज में पहली बार गेंदबाजी की और अपनी पहली ही गेंद पर रोहित को क्लीन बोल्ड किया। रोहित ने 162 गेंद पर 13 चौके और तीन छक्के की मदद से 103 रन की पारी खेली।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

घरेलू रसोई गैस के दाम में 100 रुपए की कटौती

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की करोड़ों महिलाओं को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के दिन बड़ा तोहफा दिया है। केंद्र सरकार ने घरेलू रसोई गैस यानी एलपीजी पर कीमतों को सौ रुपये कम कर दिया है। इसको लेकर पीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी दी है। उन्होंने लिखा है कि आज महिला दिवस पर हमारी सरकार ने एलपीजी सिलेंडर के दाम 100 रुपये कम करने का फैसला किया है। इससे देशभर के लाखों परिवारों पर वित्तीय बोझ काफी कम हो जाएगा, विशेष रूप से हमारी नारी शक्ति को लाभ होगा। लोकसभा चुनाव से पहले केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए उज्जवला योजना के तहत मिलने वाले रसोई गैस सिलेंडर पर सब्सिडी को एक साल तक के लिए बढ़ा दिया है। लाभुकों को केंद्र सरकार की उज्ज्वला योजना के तहत रसोई गैस सिलिंडर पर मिलने वाली सब्सिडी अब 31 मार्च 2025 तक मिलेगी।

पहली बार 19 हजार करोड़ के पार एसआईपी इनफ्लो

नईदिल्ली। सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी इनफ्लो फरवरी 2024 में अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है, जो पहली बार रू.19,000 करोड़ के आंकड़े को पार कर गया है। आंकड़ों से पता चलता है कि एसआईपी प्रवाह रू.19,187 करोड़ था, जो पिछले महीने के रू.18,838 करोड़ से उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। इससे ये पता लगता है कि एसआईपी में निवेशकों का विश्वास बढ़ रहा है। वित्तीय विशेषज्ञ एसआईपी प्रवाह में इस उछाल का श्रेय कई कारकों को देते हैं, जिनमें दीर्घकालिक धन सृजन के बारे में बढ़ती जागरूकता, एसआईपी के माध्यम से निवेश में आसानी और बाजार की समग्र सकारात्मक भावना शामिल है। म्यूचुअल फंड हाउस भी अनुभवी निवेशकों और बाजार में नए आने वालों दोनों के लिए एक सुलभ और अनुशासित निवेश विकल्प के रूप में एसआईपी को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहे हैं।

सरकार ने 34 ध्रुव हेलिकॉप्टरों की खरीद को दी मंजूरी

नईदिल्ली। सुरक्षा पर कैबिनेट समिति (सीसीएस) ने 34 नए एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच) ध्रुव हेलिकॉप्टरों के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, जिनमें से नौ भारतीय तटरक्षक बल में शामिल किए जाएंगे जबकि 25 भारतीय सेना में जाएंगे। हेलीकॉप्टरों का निर्माण हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। स्वदेशीकरण की दिशा में एक बड़े प्रयास के रूप में देखे जाने पर, सूत्रों ने कहा कि भारतीय तट रक्षक में हेलिकॉप्टर पुराने प्रकाश उपयोगिता हेलिकॉप्टरों को बदलने के लिए तैयार हैं, जबकि भारतीय सेना कई भूमिकाओं के लिए हेलिकॉप्टरों का उपयोग करेगी। दोनों परियोजनाओं की लागत 8,000 करोड़ रुपये से अधिक होने और स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने की उम्मीद है। एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर (ध्रुव) 5.5 टन वजन वर्ग में एक बहुउद्देश्यीय, नई पीढ़ी का हेलीकॉप्टर है, जिसे एचएएल द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित किया गया है।

क्रिस्टल इंटिग्रेटेड सर्विसेज का आईपीओ अगले हफ्ते खुलेगा

नईदिल्ली। शेयर बाजार से कमाई करनी है तो बाजार में एक और आईपीओ को जल्द ही एंट्री होने वाली है। कंपनी का नाम है क्रिस्टल इंटिग्रेटेड सर्विसेज, जो कि एक सुविधा प्रबंधन सेवा कंपनी है। इसका आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 14 मार्च को खुलने वाला है। क्रिस्टल इंटिग्रेटेड सर्विसेज का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 14 मार्च को खुलेगा और निवेशक इसमें 18 मार्च तक पैसा लगा सकेंगे। वहीं, एंकर निवेशक 13 मार्च को शेयरों के लिए बोली लगा सकेंगे। कंपनी आईपीओ के तहत कंपनी 175 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी करेगी। इसके अलावा प्रवर्तक क्रिस्टल फैमिली होल्डिंग्स प्राइवेट लि. 17.5 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाएगी। क्रिस्टल इंटिग्रेटेड सर्विसेज अगले हफ्ते ही प्राइस बैंड भी निर्धारित करेगी। कंपनी में क्रिस्टल फैमिली होल्डिंग्स की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

रियल एस्टेट की चमक से अर्थव्यवस्था को गति मिलने की उम्मीद

मधुरेंद्र सिन्हा

वर्ष 2023 सही मायनों में रियल एस्टेट का साल था और वर्षों बाद उसने अपनी चमक बिखेरी। यह चमक इस साल भी बरकरार है। लगातार रियल एस्टेट कंपनियों के नए लॉन्च की खबरें सामने आ रही हैं। पिछले साल देसी-विदेशी निवेशकों ने इसमें जमकर पैसा लगाया, जिसका असर भी दिखा। आंकड़े बता रहे हैं कि पिछले साल कुल 5.1 अरब डॉलर का निवेश इस क्षेत्र में हुआ। इनमें से दो अरब डॉलर से भी ज्यादा रकम जमीन की खरीद में लगाई गई, यानी इस साल या अगले साल उनमें निर्माण कार्य होंगे। इससे बड़े पैमाने पर इस क्षेत्र में रोजगार मिलने की उम्मीद जताई जा सकती है।

प्रॉपर्टी की वैश्विक सेवा कंपनी जेएलएल के मुताबिक, पिछले साल हर तिमाही में औसतन 65,000 इकाइयां बिकीं और पहले नौ महीनों में 2,23,905 लॉन्च हुए, जो एक रिकॉर्ड है। यह संख्या साल के अंत तक लगभग 2,80,000 रही होगी। इन आंकड़ों के आधार पर कहा जा रहा है कि इस साल कुल 2,90,000 आवासीय इकाइयां लॉन्च हो सकती हैं। जेएलएल का कहना है कि होम लोन ब्याज दरों के ज्यादा होने तथा महंगाई में बढ़ोतरी के बावजूद ग्राहक नई इकाइयों में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। यदि रिजर्व बैंक अपनी अगली बैठक में ब्याज दरों में कटौती करेगा, तो उसका असर मकानों तथा व्यावसायिक संपत्ति की खरीद पर भी पड़ेगा।

वर्ष 2023 में एक और बात देखने में आई कि ग्राहक बन रहे मकानों में भी निवेश कर रहे हैं। यह एक अच्छा ट्रेंड है, जो बताता है कि आने वाले समय में मकानों की बिक्री लगातार बढ़ेगी। इसके अलावा, महंगे और लग्जरी सेगमेंट के मकानों की बिक्री खूब बढ़ी है। डेढ़ करोड़ रुपये की कीमत तक के

मकानों की बिक्री में 22 फीसदी तथा लग्जरी मकानों, जो तीन करोड़ रुपये से भी ज्यादा कीमत के हैं, की बिक्री में 83 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। यह देश की बेहतर आर्थिक स्थिति का संकेत है। मुंबई, दिल्ली, गुरुग्राम के अलावा नोएडा में भी महंगे मकान अब काफी बिक रहे हैं।

जिस गंभीरता से निवेशक रियल एस्टेट में धन लगा रहे हैं, उससे पता चलता है कि उनका भरोसा कायम है। रियल एस्टेट में सरकारी पहल के अलावा, टेक्नोलॉजी के बढ़ते इस्तेमाल, विदेशी करार वगैरह इसे मजबूत बना रहे हैं। नई टेक्नोलॉजी के कारण अब स्मार्ट होम धड़ल्ले से बन रहे हैं। नए उपकरणों से ऊंचे-ऊंचे मकान कम समय में तैयार हो रहे हैं। ऐसे मकान बनाना भी संभव हो गया है, जहां ऊर्जा की खपत कम होती है और ग्राहकों को ये पसंद भी आते हैं।

अंतरराष्ट्रीय एजेंसी केपीएमजी का कहना है कि 2024 भारतीय रियल एस्टेट के लिए एक उत्साहपूर्ण वर्ष होगा और पिछले साल की तुलना में 10 से 15 फीसदी तक की बढ़ोतरी होगी और आवासीय सेक्टर में तीन लाख यूनिट बिक सकते हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में ऑफिस स्पेस की जो मांग कोविड के कारण घट गई थी, अब तेजी से बढ़ रही है तथा आगे और बढ़ने की उम्मीद है। अब न केवल वर्क प्लेस की मांग बढ़ी है, बल्कि मॉल तथा शॉपिंग कॉम्पलेक्सों की भी। यानी आने वाले समय में कमर्शियल रियल एस्टेट को और भी बढ़ावा मिलेगा। ई-कॉमर्स तथा लॉजिस्टिक्स में भी गतिविधियां तेज हो जाने से वेयर हाउसिंग में भी तेजी आएगी। बंगलूरू, चेन्नई, पुणे, दिल्ली-एनसीआर, कोलकाता, मुंबई-ये वे शहर हैं, जहां कमर्शियल स्पेस की मांग बढ़ी है और 2024 में भी बढ़ती रहेगी। हालांकि 2024 चुनावी वर्ष है। इसके बावजूद उम्मीद है कि अर्थव्यवस्था छह फीसदी से भी ज्यादा रफ्तार से बढ़ेगी। इस भरोसे से रियल एस्टेट को गति मिलती है। तेजी से शहरीकरण के चलते नई पीढ़ी अब रियल एस्टेट में दिलचस्पी ले रही है। इससे यह संभावना दिख रही है कि न केवल 2024 में, बल्कि आगे भी रियल एस्टेट सेक्टर में तेजी आएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि 2025 में रियल एस्टेट क्षेत्र का आकार 650 अरब डॉलर का होगा, जो देश की प्रगति में हाथ बंटाएगा। रियल एस्टेट का देश के कुल जीडीपी में 7.3 फीसदी का हिस्सा है और यह रेलवे के बाद दूसरा सबसे बड़ा रोजगार प्रदाता है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.